http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 32

प्रयागराज गुरुवार 17 अक्टूबर 2024

पृष्ठः– 4, मूल्यः– एक रुपया

संगीत, नृत्य युवा पीढ़ी को राष्ट्र की परंपराओं से जोड़ने में निभाता है अहम भूमिका : मोदी

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। संगीत नाटक अकादमी ने भारतीय नृत्य पर मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय महोत्सव आयोजित किया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महोत्सव के लिए एक विशेष संदेश साझा किया और भारतीय संस्कृति में नृत्य के महत्व रेखांकित करते हुए कहा यह युवा पीढ़ी को राष्ट्र की परंपराओं से जोड़ने में अहम भूमिका निभाता है। संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने आज राजधानी में छह दिवसीय महोत्सव का उद्घाटन किया। यह मंत्रालय का भारतीय नृत्य पर पहला अंतरराष्ट्रीय महोत्सव है, जिसका उद्देश्य भारतीय नृत्य शैलियों की विविधता और समृद्धि का जश्न मनाया तथा उनका अन्वेषण करना है। उन्होंने कहा कि महोत्सव का उद्देश्य कला में स्थायी करियर पर चर्चा को बढ़ावा देना और भारतीय नृत्य के लिए संस्थागत समर्थन को प्रोत्साहित करना है, जिससे सहयोग और सांस्कृतिक आदान–प्रदान का मंच बने। श्री मोदी ने संगीत नाटक अकादमी एवं संस्कृति मंत्रालय का आभार व्यक्त करते हुए कहा, "यह हमारे लिए एक ऐतिहासिक क्षण और एक यादगार अवसर है। विभिन्न देशों के कलाकारों की भागीदारी सांस्कृतिक विनिमय में मदद करती है। संगीत और नृत्य ऐसी भाषाएं हैं जो सीमाओं को पार करती हैं और जिन्हें सभी जगह समझा जाता है। प्रदर्शन कलाओं के लिए सबसे प्राचीन ग्रंथ भारत में भरत मुनि द्वारा लिखे गए थे। इस विरासत को आगे बढ़ाना गर्व और जिम्मेदारी दोनों है।"

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस तरह के महोत्सवों में युवा पीढ़ी को संलग्न करने से उन्हें अपनी जड़ों से जुड़े रहने में मदद मिलती है और यह राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को मजबूत करता है। श्री शेखावत ने कहा, "यह महोत्सव भारतीय नृत्य की भव्य परंपरा का जश्न मनाता है, जिसमें दुनिया भर के कलाकारों, विद्वानों और प्रथागत कलाकरों को एक साथ लाया जाता है। जैसे लगातार बहने वाली गंगा, ये परंपराएं पीढ़ियों की समर्पण के माध्यम से फलती–फूलती हैं, हमें विविधता के बीच गहरी एकता से जोड़ती हैं। आज की उथल–पुथल भरी दुनिया में, जहां भू–राजनीतिक अस्थिरता और नैतिक पतन सामान्य हैं, भारत अपनी प्राचीन बुद्धि, कला और मूल्यों के माध्यम से एक सांस्कृतिक दिशा प्रदान करता है।

'आतंकवाद के साथ व्यापार नहीं'

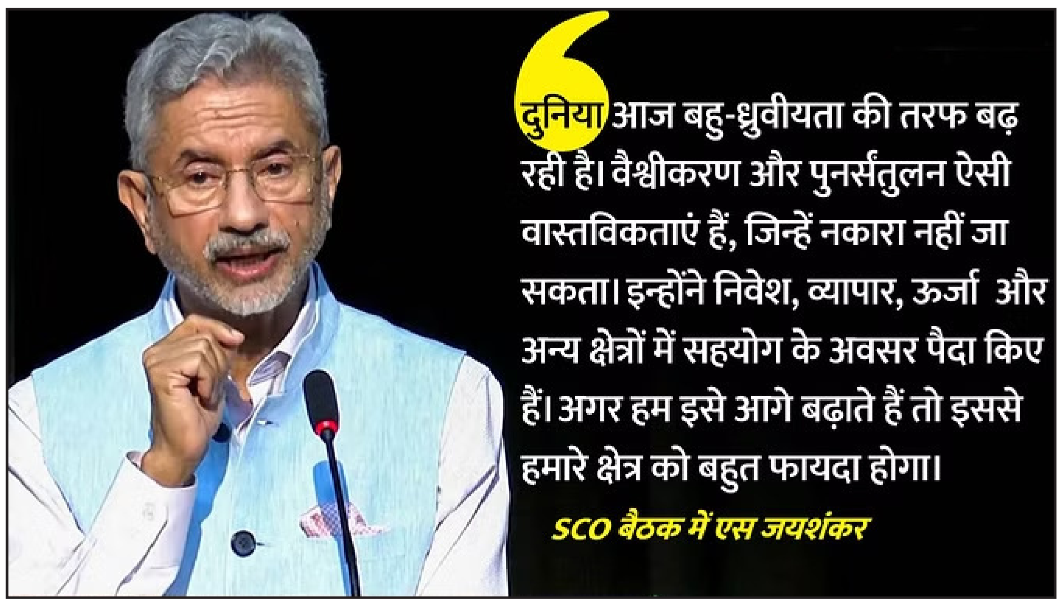

1 SCO की 3 चुनौतियां
आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद हैं। विकास के लिए इनसे लड़ना जरूरी है।

2 बॉर्डर का सम्मान
आतंकवाद के साथ व्यापार नहीं हो सकता। देशों को एक-दूसरे के बॉर्डर का सम्मान करना चाहिए।

3 UNSC में सुधार की जरूरत
UNSC में सुधार तभी होगा जब विकासशील देशों को हिस्सेदारी मिलेगी। SCO देशों को इसके लिए पहल करनी चाहिए।

4 स्वास्थ्य और पर्यावरण पहल
भारत ने स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए कई पहल की हैं। SCO देश भी इसे अपना सकते हैं।

5 जंग से विकास पर असर पड़ा
दुनिया कोरोना जैसी महामारी और जंग से जूझ रही है। क्लाइमेंट चेंज से लेकर सप्लाई चेन तक कई मुश्किलें हैं। इससे विकास पर असर पड़ा।

● एससीओ बैठक में चीन का नाम लिए बिना कहा- बॉर्डर का सम्मान करने की जरूरत
● आतंकवाद और व्यापार साथ-साथ नहीं चल सकते, इस्लामाबाद में जयशंकर ने बिना नाम लिए पाकिस्तान को घेरा

इस्लामाबाद,(एजेंसी)। पाकिस्तान का नाम लिए बगैर विदेश मंत्री ने कहा कि अगर आतंकी घटनाएं जारी रहेंगी तो फिर व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। इस तरह जयशंकर ने बिना नाम लिए पाकिस्तान को उसी के घर में लताड़ लगाई। पाकिस्तान के इस्लामाबाद में आयोजित की जा रही शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने संबोधन में एक बार फिर पाकिस्तान पर निशाना साधा। पाकिस्तान का नाम लिए बगैर विदेश मंत्री ने कहा कि अगर आतंकी घटनाएं जारी रहेंगी तो फिर व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। इस तरह जयशंकर ने बिना नाम लिए पाकिस्तान को उसी के घर में लताड़ लगाई। दो युद्धों के चलते संकट से गुजर रही दुनिया शंघाई सहयोग संगठन के मंच पर दिए अपने संबोधन में भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि श्हम ऐसे समय मिल रहे हैं, जब दुनिया संकटों से गुजर रही है।

पीएम मोदी ने उमर अब्दुल्ला को मुख्यमंत्री बनने पर दी बधायी

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्री उमर अब्दुल्ला को जम्मू–कश्मीर का मुख्यमंत्री पद संभालने पर बधायी दी है और कहा है कि केन्द्र सरकार उनके तथा उनकी टीम के साथ केन्द्र शासित प्रदेश की प्रगति के लिये मिलकर काम करेगी। श्री मोदी ने सोशल मीडिया पर बधायी संदेश में कहा, "श्री उमर अब्दुल्ला जी को जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर बधायी!

वहां के लोगों की सेवा के उनके प्रयासों के लिये मेरी बहुत–बहुत शुभकामना! केन्द्र सरकार उनके और उनकी टीम के साथ जम्मू–कश्मीर की प्रगति के लिये मिलकर काम करेगी।" नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद जम्मू–कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री के पद की बुधवार को शपथ ली। जम्मू–कश्मीर के 90 सदस्यीय विधानसभा के लिये इस माह संपन्न चुनाव में श्री अब्दुल्ला की नेकां और कांग्रेस गठबंधन को स्पष्ट बहुत मिला है। जम्मू–कश्मीर में अनुच्छेद 370 की समाप्ति और राज्य को दो केन्द्र शासित क्षेत्र में पुनर्गठित किये जाने के बाद आज पहली बार निर्वाचित सरकार का गठन हुआ।

जम्मू–कश्मीर की नई सरकार

● जम्मू-कश्मीर में उमर अब्दुल्ला ने ली सीएम पद की शपथ
● उमर मुख्यमंत्री, सुरिंदर चौधरी होंगे डिप्टी सीएम, जानिए कौन-कौन बने मंत्री

जम्मू,(एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में उमर अब्दुल्ला ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। उमर के साथ सुरिंदर चौधरी, सतीश शर्मा, जावेद अहमद डार, सकीना इटू, जावेद राणा ने मंत्री पद की शपथ ली है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रीनगर के शेर–ए–कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) में अब्दुल्ला और उनके मंत्रियों को शपथ दिलाई। मेंढर से नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक जावेद अहमद राणा, रफियाबाद से जावेद अहमद डार, डीएच पोरा से सकीना इटू और नौशेरा से सुरिंदर कुमार चौधरी को भी एलजी सिन्हा ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ दिलाई। सुरिंदर चौधरी डिप्टी सीएम बनाए गए हैं। सुरिंदर चौधरी ने नौशेरा से भाजपा के रविंदर रैना को हराया है। छंब विधानसभा सीट से निर्दलीय विधायक सतीश शर्मा को उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में जगह दी गई। शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी मौजूद रहीं। वहीं, JKNC प्रमुख फारूक अब्दुल्ला, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, PDP प्रमुख महबूबा मुफ्ती, AAP नेता संजय सिंह, CPI नेता डी राजा सहित INDIA गठबंधन के अन्य नेता यहां मौजूद रहे। कांग्रेस का सरकार से बाहर रहने का फैसला जम्मू–कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (JKPCC) के प्रमुख तारिक हमीद कर्रा ने आज कहा कि कांग्रेस पार्टी फिलहाल जम्मू–कश्मीर सरकार में मंत्रालय में शामिल नहीं हो रही है। कांग्रेस ने केंद्र से जम्मू–कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने की जोरदार मांग की है, इसके अलावा प्रधानमंत्री ने भी कई बार सार्वजनिक बैठकों में इसका वादा किया है। लेकिन जम्मू–कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल नहीं किया गया है। हम नाखुश हैं इसलिए फिलहाल हम मंत्रालय में शामिल नहीं हो रहे हैं, JKPCC प्रमुख ने कहा और कहा कि कांग्रेस पार्टी राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए लड़ाई जारी रखेगी। श2019 के बाद जम्मू–कश्मीर के लोगों को बहुत जख्म लगेश पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा, श्जम्मू–कश्मीर को बहुत सालों के बाद अपनी एक सरकार मिली है। लोगों ने एक स्थिर सरकार चुनी है। जम्मू–कश्मीर के लिए बहुत मुश्किल दौर है।

गठबंधन सरकार जम्मू–कश्मीर में लोगों के अधिकार बहाल करेगी: राहुल–प्रियंका

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी तथा कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा बुधवार को जम्मू–कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के नेता उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में गठित सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए और कहा कि गठबंधन सरकार वादे पूरे कर अवाम के अधिकारों को बहाल करेगी। कांग्रेस नेताओं ने 'एक्स' पर कहा कि राज्य की इंडिया समूह सरकार हर स्तर पर जनता के हक की लड़ाई लड़ेगी और जम्मू–कश्मीर के लोगों के साथ न्याय करके उन्हें उनका हक देगी। श्री गांधी ने कहा, ष्आज, जम्मू–कश्मीर में इंडिया समूह के वरिष्ठ नेताओं के साथ प्रदेश के नवनियुक्त मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुआ। जम्मू–कश्मीर में इंडिया समूह की सरकार, न्याय की, उम्मीदों की, बरकत की सरकार बनेगी। यह जम्मू–कश्मीर के लोगों की सरकार है जो विधानसभा से लेकर दिल्ली तक हर एक प्रदेशवासी के हक और अधिकार के लिए लड़ेगी।ष श्रीमती वाड्रा ने कहा,ष्जम्मू– कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनके मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों को बहुत– बहुत बधाई। अपने वोट की ताकत से न्याय और लोकतंत्र की आवाज बुलंद करने के लिए जम्मू–कश्मीर की आवाम का शुक्रिया और भविष्य की शुभकामनाएं।ष उन्होंने कहा, ष्इंडिया गठबंधन की सरकार आवाम के लंबित अधिकारों को वापस दिलाने के साथ–साथ अपने सभी वादों और जन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पूरे समर्पण से काम करेगी।

हरियाणा में अब नायब सरकार

● भाजपा विधायक दल की बैठक में लगी नाम पर मुहर, जानें नए सीएम का सियासी सफरनामा

चंडीगढ़,(एजेंसी)। नायब सैनी हरियाणा में दस साल की सत्ता विरोधी लहर और लोगों को नाराजगी को कम करने में कामयाब रहे। उनका लगातार लोगों से मिलना और सीएम आवास को लोगों के लिए खोलना भी काम कर गया है। 56 दिन में उन्होंने 100 से ज्यादा फैसले लिए। इसी की बदौलत अब उन्हें सीएम पद मिला है। नायब सिंह सैनी हरियाणा के नए सीएम होंगे। प्रदेश के इतिहास में पहली बार भाजपा ने हैट्रिक लगाकर जीत हासिल की है। इस नायाब जीत के नायक बने नायब सिंह सैनी अब सीएम की कुर्सी संभालेंगे। नायब सैनी लोकसभा चुनाव से पहले सीएम की कुर्सी पर बैठाए गए थे। पार्टी ने नायब सैनी को सीएम प्रोजेक्ट कर चुनाव लड़ा था। आरएसएस से जुड़े हैं सैनी नायब सैनी 25 जनवरी 1970 को अंबाला के गांव मिर्जापुर

माजरा में सैनी परिवार में जन्मे थे। वे बीए और एलएलबी हैं। सैनी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े हैं। सैनी ओबीसी समुदाय से आते हैं। उन्हें संगठन में काम करने का लंबा अनुभव है। मनोहर लाल के है करीबी वे साल 2002 में युवा मोर्चा बीजेपी अंबाला से जिला महामंत्री बने। इसके बाद साल 2005 में युवा मोर्चा भाजपा अंबाला में जिला अध्यक्ष रहे। सैनी 2009 में किसान मोर्चा भाजपा हरियाणा के प्रदेश महामंत्री भी रहे। 2012 में वे अंबाला भाजपा के जिला अध्यक्ष बने। आरएसएस के समय से सैनी को मनोहर लाल का करीबी माना जाता है। सूत्र बताते हैं कि सीएम ने ही उन्हें कुरुक्षेत्र से टिकट देने की पैरवी की थी। नारायणगढ़ से हारे थे चुनाव नायब सिंह ने 2009 में अंबाला के नारायणगढ़ निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ा था, लेकिन कुल 1,16,039 वोटों में से 3,028 वोट हासिल कर रामकिशन गुर्जर से हार गए थे। 2014 में उन्होंने 24,361 वोटों से इसी क्षेत्र से चुनाव जीता था।

, जिसके बाद वे प्रदेश सरकार में 24 जुलाई 2015 से तीन जून 2019 तक राज्यमंत्री भी रहे। उन्होंने प्रदेश में श्रम एवं रोजगार मंत्री स्वतंत्र प्रभार के अलावा खान एवं भू विज्ञान मंत्री व नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री के तौर पर भी कार्यभार संभाला।

भारत के नये नियमों ने वैज्ञानिक एवं नैतिक अनुसंधान को बढ़ावा दिया: अनुप्रिया

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया सिंह पटेल ने बुधवार को कहा कि भारत के नए नियमों और विनियामक प्रक्रियाओं ने वैश्विक अपेक्षा और अंतर्राष्ट्रीय मांग के अनुरूप वैज्ञानिक और नैतिक अनुसंधान को बढ़ावा दिया है। श्रीमती पटेल ने यहां 19वें अंतर्राष्ट्रीय औषधि विनियामक प्राधिकरण सम्मेलन को संबोधित करते

हुए कहा कि विनियमन के क्षेत्र में भारत के प्रयासों से दुनिया भर के लोगों के लिए बेहतर स्वास्थ्य परिणाम मिल सकते हैं। इस अवसर पर नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वी.के. पॉल भी उपस्थित थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) देश में पहली बार यह कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस कार्यक्रम में 200 से अधिक देशों के नियामक प्राधिकरण, नीति निर्माता और स्वास्थ्य अधिकारी भाग ले रहे हैं।

श्रीमती पटेल ने देश में शुरू किए गए नए नियमों और नियामक प्रक्रियाओं पर जोर दिया।

मोदी सरकार का दिवाली गिफ्ट

● डीए में तीन फीसदी की बढ़ोतरी, गेहूं-सरसों समेत कई फसलों पर बढ़ाया एमएसपी

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। केंद्रीय कैबिनेट ने डीए की दरों में बढ़ोतरी के प्रस्ताव पर मुहर लगाई है। पहली जुलाई से देय महंगाई भत्ते की दर अब 50 प्रतिशत से बढ़कर 53 प्रतिशत हो गई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट की बैठक के बाद हुई प्रेस ब्रीफिंग में यह जानकारी दी है। केंद्र सरकार में लगभग एक करोड़ से अधिक कर्मचारियों और पेंशनरों के महंगाई भत्ते श्डीएश एवं महंगाई राहत श्डीआरश में तीन फीसदी वृद्धि की सौगात मिली है। बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट ने डीए की दरों में बढ़ोतरी के प्रस्ताव पर मुहर लगाई है। पहली जुलाई से देय महंगाई भत्ते की दर अब 50 प्रतिशत से बढ़कर 53 प्रतिशत हो गई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट की बैठक के बाद हुई प्रेस ब्रीफिंग में यह जानकारी दी है। इससे पहले कॉन्फेडरेशन ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट एम्प्लाइज एंड वर्कर्स के महासचिव एसबी यादव ने 30 सितंबर को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर डीए की दरों में बिना कोई देरी किए वृद्धि करने की मांग की थी। पत्र में कहा गया कि सामान्य तौर पर महंगाई भत्ते एवं महंगाई राहत में बढ़ोतरी का भुगतान, अक्तूबर के पहले सप्ताह में हो जाता था। इस बार केंद्र सरकार ने दशहरे पर भी ऐसी कोई घोषणा नहीं की। श53श: डीए से होगा इतना फायदा किसी कर्मचारी का मूल वेतन 18 हजार रुपये है तो 53 प्रतिशत महंगाई भत्ते के हिसाब से उसके वेतन में हर माह लगभग 540 रुपये बढ़ जाएंगे। कर्मचारी का मूल वेतन 25 हजार रुपये है तो उसे प्रतिमाह 750 रुपये का फायदा होगा। जिस कर्मी की बेसिक सेलरी 35 हजार रुपये है तो उसे प्रतिमाह 1050 रुपये ज्यादा मिलेंगे। 45 हजार रुपये की बेसिक सेलरी वाले कर्मी के लगभग 1350 रुपये बढ़ेंगे। ऐसे कर्मी, जिन्हें 52 हजार रुपये बेसिक सेलरी मिलती है तो डीए

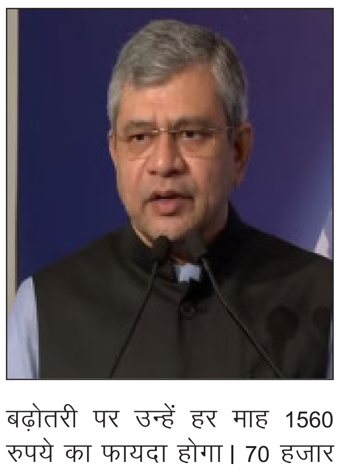

बढ़ोतरी पर उन्हें हर माह 1560 रुपये का फायदा होगा। 70 हजार रुपये की बेसिक सेलरी वाले कर्मचारी को लगभग 2100 रुपये का फायदा होगा। 85,500 रुपये की बेसिक सेलरी पर लगभग 2565 रुपये का इजाफा होगा। एक लाख रुपये बेसिक सेलरी वाले कर्मियों के खाते में हर माह 3000 रुपये से अधिक की बढ़ोतरी होगी।

आमतौर पर सितंबर महीने में होती है।

व।ध्क्त के दरों की घोषणा बता दें कि डीएध्डीआर की दरों में बढ़ोतरी की घोषणा, सितंबर माह में कर दी जाती थी।

चिंता का सबब

उत्तराखंड में चार धाम यात्रा में पिछले साल की तुलना में दोगुने यात्री पहुंच रहे हैं। यह वाकई हर किसी के लिए चिंता का सबब है। बेतहाशा बढ़ती भीड़ और अव्यवस्था के चलते बारह यात्रियों की मौत हो चुकी है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी चुनावी रैली छोड़ कर देहरादून पहुंचे। बैठक लेकर उन्होंने निर्देश दिया कि 31मई तक सभी वीआईपी दर्शन पर रोक रहेगी। यात्रा मार्गों पर भीषण जाम है, तीर्थयात्री घंटों–घंटों उनमें फंसे हैं। कुछ की तबीयत बहुत बिगड़ गयी।

कुछ श्रद्धालुओं को आधे रास्ते से ही वापस लौटना पड़ा। जबरदस्त भीड़ को देखते हुए पंजीकरण दो दिन के लिए रोके जा चुके हैं। यह सच है कि वीआईपी कल्चर के चलते होने वाली व्यवस्थागत गड़बडियों को नजरंदाज किया जाता है। खासकर इस तरह के बड़े तीर्थस्थानों तथा धार्मिक स्थलों में खास लोगों के लिए की जाने वाली व्यवस्था में पुलिस व सुरक्षा बलों की बड़ी संख्या जुटती है। ऐसे में आम नागरिक की तरफ से ध्यान हट जाता है।खुद को अलग और विशेष मानने वाला बड़ा वर्ग है अपने यहां, जो अपनी समृद्धि और ताकत का प्रयोग कर अपनी विशिष्टता दर्शाने में संकोच नहीं करता। निरूसंदेह खास लोगों की आस्था का भी ख्याल रखा जाना जरूरी है। मगर यह आम आदमी की असुविधा या अपमान के साथ न किया जाए।

यह कहना अतिश्योक्ति होगा कि लोगों की आस्था का विस्तार तेजी से हो रहा है। अब लगभग सभी बड़े व प्रसिद्ध तीर्थस्थलों में बेतहाशा भीड़ लगने लगी है। रही बात पंजीकरण की तो अभी भी देश में ऐसा तबका है, जिसे नियमोंध पाबंदियों के विषय में जानकारी नहीं मिल पाती।उनके पास इतना धन भी नहीं होता कि वे एकाध दिन कहीं रुक कर इंतजार कर सकें। दो सौ मीटर के दायरे में फोन के प्रयोग जैसी पाबंदी श्रद्धालुओं के लिए बड़ी समस्या साबित हो सकती है। तस्वीरें निकालने या रील बनाने वालों से निपटने के और रास्ते खोजने की जरूरत है।

नियमों व पाबंदियों की आड़ में आस्था पर प्रहार से बचने के प्रयास होने चाहिए। चार धाम जैसी यात्रा करने वाले वर्षो से इसकी तैयारी करते हैं, तब निकलते हैं। वे आम भक्त हों या खास, उनकी भावनाओं की अनदेखी करने को कतई उचित नहीं कहा जा सकता।

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय
ज्योतिष विभाग
लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुलाःआज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिकः आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनुः आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकरः आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्घ्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभः आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीनः आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

रणनीति सरकार को झकझोर करना

अवधेश कुमार

18 वीं लोक सभा के अध्यक्ष के निर्वाचन के दौरान और उसके बाद का दृश्य निश्चित रूप से देश को एक हद तक राहत देने वाला था। आक्रामक मोर्चाबंदी के बाद विपक्ष ने संसद में मत विभाजन की मांग नहीं की। इस कारण ओम बिरला का दूसरी बार लोकसभाध्यक्ष के रूप में निर्वाचन प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित हुआ। विपक्ष अपने पूर्व के तेवर के अनुरूप यदि के. सुरेश और ओम बिरला के बीच मतदान पर अड़ता तो तस्वीर दूसरी होती। हालांकि संख्या बल के आधार पर ओम बिरला का निर्वाचन निश्चित था, लेकिन विपक्ष भी ताकत दिखाना चाहता था।

वास्तव में 18वीं लोक सभा में शपथ ग्रहण के समय से विपक्ष का तेवर बता रहा है कि वह सरकार को आसानी से काम करने देने की मनरूस्थिति में नहीं है। आईएनडीआईए के सारे सांसद गांधी जी की प्रतिमा के पुराने स्थल से हाथों में संविधान की प्रति लिए जिस तरह नारा लगाते आगे बढ़े वह चिंतित करने वाला दृश्य था। कम से कम सांसदों के शपथ ग्रहण के अवसर को प्रदर्शनों से दूर रखा जा सकता था। सरकार ने अभी ऐसा कोई कदम नहीं उठाया है जिसके लिए विपक्ष को इस तरह विरोध की एकजुटता प्रदर्शित करनी पड़े।

विरोध के लिए आगे पूरा अवसर बना हुआ है। संसद में बजट आना है और भी कई विधेयक आने वाले हैं, उन सब पर विपक्ष अपना तेवर दिखा सकता था, दिखाएगा भी। इसी तरह स्वयं विपक्ष का अपना एजेंडा है जो समय–समय पर संसदीय नियमों का लाभ उठाते हुए प्रस्तुत करने की कोशिश करेगा। 18वीं लोक सभा की शुरूआत में विपक्ष ने अपनी रणनीति के तहत ही आक्रामक चरित्र प्रदर्शित किया है। पहले भर्तृहरि मेहताब को प्रोटेम स्पीकर बनाए जाने का विरोध हुआ। कांग्रेस ने यह भी कह दिया कि उनकी पार्टी मेहताब को सहयोग नहीं करेगी। उससे भय पैदा हुआ लेकिन सभी कांग्रेसी सांसदों ने अंततरू मेहताब की अध्यक्षता में ही शपथ ग्रहण किया।

इसके पूर्व कभी प्रोटेम स्पीकर को लेकर इस तरह विरोध हुआ हो इसके रिकॉर्ड अभी तक सामने नहीं आए हैं। कांग्रेस की मांग थी कि के. सुरेश आठ बार के सांसद हैं। इसलिए उन्हें प्रोटेम स्पीकर बनाना चाहिए। सरकार का कहना था कि के. सुरेश एक बार सांसद नहीं रहे हैं जबकि मेहताब लगातार सात बार सांसद रहे हैं। यह विषय असहमति का है। संविधान में कहीं इसका उल्लेख नहीं है कि प्रोटेम स्पीकर किसे बनाया जाए। उसके बाद से विपक्ष ने ऐसा कोई संकेत नहीं दिया है कि वह लोक सभा चुनाव के दौरान उठाए गए मुद्दों और अपनाए तेवरों से पीछे हट रहा है। आप ओम बिरला के लोकसभाध्यक्ष बनने के बाद दिए गए विपक्ष के नेताओं के भाषणों को देखिए तो काफी कुछ स्पष्ट हो जाएगा। राहुल गांधी ने कहा, श्हम उम्मीद करते हैं कि आपके नेतृत्व में संविधान की रक्षा होगी। आप विपक्ष को पूरी तरह बोलने का अवसर देंगे जिससे आम जन की आवाज संसद में आ सकेय। उन्होंने पूर्व लोक सभा में सांसदों के निलंबन पर भी कटाक्ष किया।

ठीक इसी तरह सपा के प्रमुख अखिलेश यादव ने भी लोकसभाध्यक्ष पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, श्आप सत्ता पक्ष को तो मौका देते ही हैं, लेकिन अब उम्मीद है कि विपक्ष को भी अवसर देंगेय। फिर उन्होंने भी भविष्य में सांसदों के निलंबन न होने की उम्मीद जताई। इसी तरह तृणमूल कांग्रेस के सुदीप बंदोपाध्याय एवं अन्य नेताओं के भाषण अध्यक्ष को भी दलीय राजनीति में घसीटने और उनको कठघरे में खड़ा करने वाले ही थे। अध यक्ष के निर्वाचन के बाद सभी उन्हें धन्यवाद देते हैं, उनकी प्रशंसा करते हैं, और उनकी अध्यक्षता में संसद के संचालन में सहयोग करने का वादा करते हुए शुभकामना भी देते हैं। विपक्ष के भाषण में ये विषय थे किंतु उनकी धारा बिल्कुल अलग थी। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संयुक्त सत्र के अभिभाषण को लेकर भी विपक्ष ने सरकार के साथ सहयोग या सहकार वाली भूमिका का संदेश नहीं दिया। आम आदमी पार्टी द्वारा अभिभाषण का बहिष्कार तथा शिवसेना उद्धव ठाकरे द्वारा समर्थन बताता है कि संसद को लेकर विपक्ष की राजनीति किस दिशा में जाने वाली है। शिवसेना–उद्धव ठाकरे के सांसद संजय राउत में कहा कि बहिष्कार बिल्कुल ठीक है? सरकार तानाशाही भरा रवैया अपनाती है और उसमें राष्ट्रपति का भी योगदान है।

राष्ट्रपति को दलीय राजनीति में घसीटना अन्य सभी घटनाक्रम से ज्यादा चिंतित करने वाला है। राष्ट्रपति देश के अभिभावक के तौर पर स्वीकार किए जाते हैं। हमारे देश में राष्ट्रपति संवैधानिक प्रमुख हैं पर उन्हें मंत्रिमंडल के निर्णय के अनुसार ही भूमिका निभानी पड़ती है। बावजूद विपक्ष राष्ट्रपति पर इस तरह के हमले से बचता रहा है। आपातकाल के दौरान फखरुद्दीन अली अहमद की भूमिका को छोड़ दें तो अभी तक संजय राउत की तरह राष्ट्रपति की आलोचना करने जैसा वक्तव्य सामने नहीं आया था। फखरु द्दीन अली अहमद के विरु द्ध भी विपक्ष को बोलने का मौका नहीं मिला था क्योंकि सभी जेल में डाल दिए गए थे।

राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद कांग्रेस सहित सभी विपक्षी नेताओं की प्रतिक्रियाएं देखें तो वे सरकार पर पूरी तरह हमलावर हैं। वैसे राष्ट्रपति अभिभाषण द्वारा सरकार ने भी स्पष्ट कर दिया कि वह अपनी पूर्व नीतियों पर ही आगे बढ़ने वाली है यानी विपक्ष का कोई दबाव उसे अपने रास्ते से पीछे हटने या मुड़ने के लिए विवश नहीं कर सकता। वह हमले का जवाब प्रति हमले से देगी। वस्तुतरू विपक्ष का आकलन है कि संविधान खत्म करने, आरक्षण खत्म करने और अन्य प्रकार के प्रधानमंत्री मोदी और सरकार विरोधी तेवरों से उन्हें चुनाव में लाभ मिला है। इसे आगे बनाए रखा गया तो वे सरकार को सत्ता से हटाने में सफल होंगे। विपक्ष की रणनीति बिल्कुल साफ है। देश में सरकार के हर समय अस्थिर होने का संदेश देना, इससे लगातार टकराव करते रहना, आरोप लगाते रहना तथा जब भी मौका आए सरकार को झकझोर कर गिराने का प्रयास करना। साफ है कि सरकार भी ईट का जवाब पत्थर से देने का संदेश दे रही है। इसमें हमें संसद के सुचारू रूप से संचालन या भविष्य में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच राष्ट्र और जनता के हितों को लेकर स्वाभाविक सहयोग और समन्वय की कल्पना नहीं करनी चाहिए।

नवजातों का समय से पहले जन्म

भगवती प्र. डोभाल

हाल के अध्ययनों से पता चला है कि भारत में हर घंटे औसतन 345 नवजातों का समय से पहले जन्म हो रहा है यानी मां के गर्भ में शिशु का नौ महीने तक विकास होता है, तब जन्म लेता है, पर अब ऐसी स्थिति में बदलाव हो रहा है, जिससे श्प्री टर्म बर्थय बढ़ रहे हैं।

देखें तो विश्व में हर दो सेकंड में एक नवजात का समय से पहले जन्म हो रहा है। और हर 40 सेकंड में इनमें से एक की मौत हो रही है। इस गंभीर समस्या को फिलंडर्स विश्वविद्यालय से जुड़े शोधकर्ता सामने लाए हैं। शोध के निष्कर्ष श्साइंस ऑफ द टोटल एनवायरमेंटय में प्रकाशित हुए हैं। नवजात शिशुओं का समय से पहले मां के गर्भ से बाहर आना जलवायु परिवर्तन के कारण माना जा रहा है।

जलवायु में आ रहे ऐसे बदलाव का सीधे तौर पर संबंध बच्चों की सेहत से जुड़ा है। तापमान में निरंतर बढ़ोतरी होने से न केवल प्री टर्म बर्थ हो रहे हैं, बल्कि शिशुओं की मृत्यु दर भी बढ़ रही है। ऐसी ही शेध जर्मनी के पॉट्सडैम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट इंपैक्ट रिसर्च के शोधकर्ताओं ने 29 निम्न और मध्यम आय वाले देशों पर किए। एक शोध के अनुसार, चार प्रतिशत से अधिक नवजातों की मृत्यु जलवायु परिवर्तन की वजह से होने वाले अधिकतम और न्यूनतम तापमान से जुड़ी है।

ये निष्कर्ष श्नेचर कम्युनिकेशनय पत्रिका में प्रकाशित हुए हैं। शोध ाकर्ताओं के अनुसार पिछले 18 वर्षो में एक लाख 75 हजार नवजातों की मौत उन 29 निम्न और मध्यम आय वाले देशों में चार फीसद में से औसतन 1.5 फीसद सालाना नवजात मौतें अत्यधिक तापमान से जुड़ी थीं। वहीं करीब तीन फीसद अत्यधिक ठंड से हुई थीं। इसके अलावा, 18 वर्ष की इस अवधि में नवजात शिशुओं में गर्मी से जुड़ी 32 फीसद मौतों के लिए जलवायु परिवर्तन जवाबदेह है। इसका मतलब है कि इस दौरान नवजात शिशुओं की गर्मी से जुड़ी कुल मौतों में से 1 लाख 75 हजार से अधिक मौतें जलवायु परिवर्तन के कारण मानी जा रही हैं।

शोध के आंकड़ों के अनुसार, पहले नवजात शिशुओं का जलवायु परिवर्तन की वजह से 2001 से 2019 के दौरान औसत सालाना तापमान में 0.9 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। दूसरा नवजात शिशुओं की शरीर तापमान नियंत्रण की क्षमता अधूरी होती है। उनका शरीर गर्मी पर काबू पाने

के लिए पूरी तरह से विकसित नहीं होता। उच्च चयापचय और पसीने की दर कम होने से उन्हें शरीर से अतिरिक्त गर्मी को निकालना कठिन हो जाता है। तीसरी स्थिति में शोधकर्ताओं का मानना है कि उप–सहारा अफ्रीकी देशों में अत्यधिक तापमान की वजह से नवजात शिशुओं की मौतों पर ग्लोबल वार्मिग का सबसे अधिक असर देखा गया है।चौथी स्थिति में पाकिस्तान, माली, सिएरा लियोन और नाइजीरिया में तापमान से जुड़ी नवजात शिशु मृत्यु दर सबसे अधिक थीं। इनमें एक लाख जीवित जन्मों में से 160 से अधिक मौत बढ़े हुए तापमान से हुई। 2019 में विश्व भर में 24 लाख नवजात शिशु मौतें हुई। इनमें से 90 फीसद से अधिक नवजात मृत्यु निम्न और मध्यम आय वाले देशों विशेषकर उपसहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया में हुई। मौसम परिवर्तन तो प्रकृति का नियम है, पर उस परिवर्तन में हम तेजी से बदलने के लिए उत्प्रेरक का काम कर रहे हैं। मनुष्य की इच्छाएं तेजी से बढ़ रही हैं और परिवर्तित भी हो रही हैं। इस परिवर्तन में तेजी लाने का कारण हमारी तकनीकी सहायक हो रही हैं। तकनीकी का विकास मानव मस्तिष्क की खोजी प्रवृति है। इस खोज में हम भूल रहे हैं कि प्रकृति का दोहन एकदम नहीं, बल्कि धीरे–धीरे करना होगा।वैज्ञानिक उपलब्धियों से तो हम दौड़ में आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन इस दौड़ में प्रकृति के साथ संतुलन भी करना होगा। हम इस अच्छी तरह से जानते हैं कि पृथ्वी पर वनस्पतियों और वृक्षों का संतुलित अनुपात में होना आवश्यक है। वन धरती की प्यास बुझाते हैं, लेकिन वनों की हमने कटाई इस तरह से कर दी है कि कार्बन डाइआक्साइड और आक्सीजन का संतुलन ही हम मिटाने पर तुले हैं। मानसून पर ही यदि हम एक दृष्टि डालें, तो पता चलेगा जिन पर्वतों पर वृक्ष और वन होते थे, वे समाप्ति की ओर हैं।पहाड़ों के बड़े वृक्ष भूमि का कटाव नहीं होने देते थे। उनकी जड़ें मजबूती से पहाड़ों की मिट्टी में धंसकर वर्षा के जल को एकदम मैदानों की तरफ नहीं आने देती थीं, जिसकी वजह से नदियों में जलस्तर एक ही बरसात से खतरे से ऊपर नहीं होता था। वह स्थिति आज नहीं रही है। वनों से ऐसे पेड़, जो मैदानी भागों की सुरक्षा कवच का काम करते थे, कट चुके हैं। संतुलित वातावरण कहीं पर नहीं मिल पा रहा है जिसके कारण जिन नवजात पर मृत्यु का कहर ढह रहा है, उसको रोक पाने में हम अक्षम हैं। सरकार कोई भी आए और जाए, जब तक नियोजित विकास का रास्ता नहीं अपनाएंगे तब तक प्राकृतिक आपदाएं मुंह बायें खड़ी रहेंगी।

बिहार भाजपा में जड़ें कमजोर हुई तो

प्रेमकुमार मणि

बिहार भाजपा में इन दिनों भीतर–भीतर आग सुलग रही है। कारण कुछ बाह्य हैं, कुछ आंतरिक। केंद्र में भाजपा की सरकार तो बन गई है, लेकिन इस बार 2014 और 2019 जैसी सफलता नहीं मिली है। जब शीर्ष कमजोर होता है तो निचले स्तर पर जनतंत्र की कोपलें स्वतरू उभरने लगती हैं। यही कारण है कि नेताओं की दबी हुई भावनाएं भी अभिव्यक्त होने लगी हैं। पिछले दिनों भाजपा नेता अिनी चौबे ने पार्टी मामलों पर टिप्पणी करके स्थिर जल में लहरें पैदा कर दी है। नतीजों के कारण यूं भी कुछ बेचौनी है।

2020 के विधानसभा चुनाव में अधिक सीटों पर चुनाव लड़ कर भी नीतीश की पार्टी भाजपा के मुकाबले बहुत पीछे रह गई थी। इस बार वह एक सीट कम लड़ कर भी बराबरी पर है। केंद्रीय स्तर पर भी जो लोक सभा के नतीजे आए हैं उसमें नीतीश अधिक प्रासंगिक और शक्तिमान हो गए हैं। अब चूंकि नीतीश की राजनीति बिहार केंद्रित है इसलिए स्वाभाविक है उनका प्रभाव बिहार पर पहले से अधिक होगा। बिहार भाजपा की परेशानी इन सब से ही बढ़ी है। जब नीतीश ने राजद के साथ 2022 में राजनीतिक समझौत किया था तब भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने बहुत सोच समझ कर सम्राट चौधरी को बिहार भाजपा का अध्यक्ष बनाया था। ऐसा इसलिए किया गया था कि सम्राट एक साथ नीतीश और तेजस्वी को राजनीतिक चुनौती दे सकेंगे। उस समय ऐसा लग रहा था कि जनता दल (यूनाइटेड) और राष्ट्रीय जनता दल की समन्वित राजनीति का नेतृत्व जल्दी ही तेजस्वी करने वाले हैं। नीतीश कुमार इस तरह के संकेत भी दे रहे थे।

ऐसे में भाजपा को तेजस्वी को जवाब देने लायक एक युवा नेतृत्व विकसित करना था। सम्राट चौधरी को आगे कर पार्टी ने यही किया था। सम्राट इस निकष पर खरे भी उतरे थे। उनकी लोकप्रियता बढ़ रही थी। बिहार–जहां राजनीति में जाति एक बड़ा फैक्टर होता है–के धरातल पर पिछड़े वर्ग के बड़े हिस्से को आकर्षित करने और सामान्य वगरे के लिए अनुकूल बने रहने की छवि उनकी बन रही थी। भाजपा का जो आधार वोट है उस में उनकी स्वीकृति भी पुख्ता हो रही थी। इसी बीच जनवरी 2024 के आखिर में नीतीश एक बार फिर भाजपा के साथ हो लिये और पुराने सारे गणित गड्डमड्ड हो गए। यह लोक सभा चुनाव के ठीक पहले हुआ था।

चुनाव में पिछली बार की तरह सफलता नहीं मिली, जबकि एक छोड़ 39 सीटों पर एनडीए को कामयाबी मिली थी, लेकिन इस चुनाव को 2019 के निकष पर देखना सही नहीं होगा। इस चुनाव में लालू प्रसाद ने जाति कार्ड खूब खेला। अपनी पार्टी और गठबंधन से सम्राट चौधरी के जनाधार क्षेत्र में सेंध लगाने की हरसंभव कोशिश की। इसके उलट सम्राट अपनी ही बिरादरी के किसी व्यक्ति को अपनी पार्टी का टिकट नहीं दिला सके। ऐसे में हवा यह बनी थी कि सम्राट चौधरी को लालू प्रसाद ने अपनी राजनीतिक चाल से ध्वस्त कर दिया है। उनकी पार्टी में भी इसी तरह की बात जोर बांधने लगी कि सम्राट की कोई राजनीतिक उपयोगिता नहीं सिद्ध हुई, लेकिन इन तमाम बातों के बीच सम्राट चुपचाप अपने काम में लगे रहे। उनके साथ दो चुनौती थी। पहली तो तेजस्वी यादव का राजनीतिक मुकाबला करना और दूसरा नीतीश जैसे कद्दावर नेता के साथ एकता बनाए रखना। इन दोनों स्तरों पर वह सफल रहे।

सम्राट ने अपना संतुलन बनाए रखा। तेजस्वी के बाद सबसे अधिक चुनावी सभाएं उन्होंने की। अपने गृहक्षेत्र में लोजपा के एक ऐसे उम्मीदवार को जिताने में वह सफल हुए जिनका जाति के हिसाब से कोई वोट बैंक नहीं था। पूरे बिहार में अपने प्रभाव के वोट को ट्रांसफर कराने में वह लगभग सफल हुए। हां, सोन इलाके के शाहाबाद और मगध के कुछ चुनाव क्षेत्रों में उनकी नहीं चली। यहां महागठबंधन के विजयी नौ में से सात उम्मीदवार जीते हैं। यदि सम्राट ने अपना प्रभाव न दिखलाया होता तो बिहार एनडीए की स्थिति बंगाल और उत्तर प्रदेश जैसी हो जाती। बिहार का सामाजिक–राजनीतिक मन–मिजाज उत्तर प्रदेश से मिलता–जुलता है।

यदि बिहार में उत्तर प्रदेश जैसी स्थिति हो जाती, तो क्या होता? एनडीए को दस–बारह सीटें कम आती और इंडिया गठबंधन को उतनी ही अधिक। फिर तो केवल तेदेपा के हाथ में सरकार बनाने की कुंजी होती। सम्राट ने इस स्थिति से भाजपा को बाहर रख कर उसकी साख बचा ली। यह उनकी उल्लेखनीय सफलता है, लेकिन आने वाले समय में बिहार भाजपा के सामने बड़ी चुनौती आगामी विधान सभा चुनाव है, जो अगले वर्ष होने वाला है। इसके समय पूर्व होने की भी चर्चा है। राजद, कांग्रेस और वाम का गठबंधन से मुकाबला और एनडीए के भीतर नीतीश से ताल–मेल रखना निश्चित ही राजनीतिक कौशल का काम होगा, जिसे भाजपा नेतृत्व को करना होगा। जब नीतीश की जुगलबंदी राजद के साथ थी तब वहां नीतीश अधि ाक सहज थे। क्योंकि तेजस्वी ने चाचा–भतीजा की स्थिति बनाई हुई थी।सम्राट ऐसा नहीं कर सकते। क्योंकि यह उनके स्वभाव में ही नहीं है। ऐसे में नीतीश कुमार से उनकी कितनी और किस स्तर पर पटरी बैठती है, यह समय बताएगा। यह भी है कि नीतीश और सम्राट का सामाजिक आधार एक ही है। दोनों के साथ होने के असर को लालू प्रसाद चाह कर भी बहुत कमजोर नहीं कर सकते, लेकिन सम्राट की मुश्किलें भाजपा के भीतर से उभर सकती हैं। उनकी अयोग्यता यह है कि वह संघ से जुड़े कभी नहीं रहे हैं। उनका राजनीतिक प्रशिक्षण समाजवादी घराने में हुआ है। निश्चित तौर पर वह इस मामले में नीतीश और लालू से जूनियर हैं, लेकिन जैसा कि पहले ही कहा जा चुका है उनका सामना तेजस्वी से होना है और इस नजरिये से वह उपयुक्त दिखते हैं।इस बीच उन्होंने कुछ अनुभव भी हासिल किया है और स्वीकार्यता भी, लेकिन भाजपा के संघी नेता कुपित हैं कि पार्टी में बाहरी लोगों का महत्त्व अधिक होता जा रहा है। वहां हिन्दू होना ही जरूरी नहीं है, संघी होना भी जरूरी है। अब हिन्दू में भी बाहरी–भीतरी का यह संघर्ष छिड़ा तो सम्राट के लिए मुश्किलें बढ़ेंगी और ये मुश्किलें अंततरू भाजपा की होंगी। उत्तर प्रदेश की तरह यदि बिहार में भाजपा की जड़ें कमजोर हुई तो केंद्र में उसका बने रहना मुश्किल होगा। बिहार की राजनीति इसलिए न केवल भाजपा के लिए बल्कि देश के लिए भी आने वाले समय में महत्त्वपूर्ण बनी रहेगी।

राष्ट्रीय लोक अदालत में ४४७७९ मुकदमें निस्तारित

5 करोड अर्थदण्ड, प्रतिकर व बैंक ऋण के रूप में वसूले

चित्रकूट। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण तत्वावधान में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जनपद न्यायाधीश विकास कुमार प्रथम की अध्यक्षता में किया गया। जिला जज अनुराग कुरील ने 40 विद्युत वादों का निस्तारण किया। राममणि पाठक विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट ने एक वाद निपटाया। राजेन्द्र प्रसाद भारतीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने फौजदारी के 577 वादों का निस्तारण 30 हजार रूपये वादी को दिलाए। अंजलिका प्रियदर्शिनी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम ने 41 वादों का निस्तारण करते हुये चार हजार रूपये अर्थदण्ड वसूले। न्यायाधिकारी ग्राम न्यायालय मानिकपुर खुशबू चन्द्रा ने 130 वादों का निस्तारण

लोक अदालत में जनपद न्यायाधीश विकाश कुमार प्रथम ने तीन सिविल प्रकीर्ण वाद, चार प्रकीर्ण फौजदारी वादों का निस्तारण करते हुये 27 सौ रूपये प्रतिकर के रूप में दिलाया। मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण कृष्ण यादव ने 31 वादों का निस्तारण कर 1 करोड़ 36 लाख 60 हजार रूपये प्रतिकर के रूप में दिलाया। प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय राकेश कुमार यादव ने 17 वादों का निस्तारण करते हुये 1 लाख 42 हजार रूपये आपसी सुलह समझौते के आधार पर वादिया को दिलाए। कई वर्षों से एक–दूसरे से अलग हुये सात जोडों को आपस में सुलह समझौते के आधार पर एक साथ भेजा गया। अपर करते हुये 83 हजार 620 रूपये अर्थदण्ड वसूला। इला चौधरी अपर सिविल जज (सीडि) ने फौजदारी के 127 वादों का निस्तारण करते हुये 1270 रूपये का अर्थदण्ड वसूले। सोनम गुप्ता सिविल जज (सीडि) एफटीसी ने 63 फौजदारी वादों का निस्तारण करते हुये 1030 रूपये अर्थदण्ड, एक सिविल वाद व एनआई एक्ट की धारा 138 के पांच वादों निस्तारण करते हुये 13 लाख 54 हजार 925 रूपये मुकदमा वादी को दिलाया। सैफाली यादव सिविल जज (जूडि) ने 16 वाद का निस्तारण करते हुये 160 रूपये अर्थदण्ड वसूला। दो सिविल वाद व एनआई एक्ट के एक वाद का निस्तारण करते हुये 5 लाख करते हुये 13 सौ रूपये अर्थदण्ड वसूले। इस प्रकार न्यायिक अधिकारियों ने 1059 वादों का निस्तारण करते हुये एक करोड 57 लाख 81 हजार पांच रूपये, राजस्व व अन्य विभागों ने 43720 मामलों का निस्तारण कर 4 करोड़ 30 लाख 27 हजार रूपये प्रतिकर के रूप में वसूले हैं। विशेष लोक अदालत (पेटी आफेंस) में कुल 35 वादों का निस्तारण किया गया। अपर जिला जज सचिव नीलू मेनवाल ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 44779 मुकदमों का निस्तारण हुआ। 5 करोड 88 लाख आठ हजार पांच रूपये अर्थदण्ड, प्रतिकर व बैंक ऋण के रूप में वसूल किया गया है।

अधिकारियों को दिया दिशा निर्देश

मीरजापुर । जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सिंचाई एवं पेयजल की समस्याओं के निराकरण के सम्बन्ध में अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। बैठक में मीरजापुर जलाशयों की समीक्षा की गयी। जलाशयों में उपलब्ध पानी की समीक्षा करते हुए किस जलाशय में कितना पानी है जानकारी जिलाधिकारी द्वारा ली गयी। जिलाधिकारी ने मेजा जरगो से पानी देने का निर्देश दिया। उन्होने कहा कि चौक डैम व बन्धी बनाए ताकि कुछ किसानों को उसके माध्यम से भी पानी उपलब्ध कराया जा सकें। जिलाधिकारी ने चौक डैम व बन्धी निर्माण हेतु अधिशासी अभियन्ता एमसीडी, अधिशासी अभियन्ता सिरसी एवं सहायक अभियन्ता की संयुक्त टीम बनाते हुए सर्वे कर आख्या उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने पिछले छः माह में सोन पम्प कैनाल कितने दिन चली है बताया गया कि दो पम्प चल रहे हैं डोगिंया जलाशय को पानी दिया जा रहा हैं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे देवेन्द्र प्रताप सिंह, उप निदेशक कृषि विकेश पटेल, अधिशासी अभियन्ता सिंचाई सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

किये गये कार्य के प्रति किया आभार व्यक्त

सोनभद्र। मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवार जनपद सोनभद्र से नगर आयुक्त मेरठ व अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) सुभाष चन्द्र यादव को अपर आयुक्त वाराणसी के पद स्थानान्तरण होने पर सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में भाव भीनी विदाई दी गयी, जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने उपस्थित अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण को सम्बोधित करते हुए कहा कि सरकारी सेवाओं में स्थानान्तरण एक सामान्य प्रक्रिया है, जो व्यक्ति सरकारी सेवाओं में आया है, वह समय–समय पर स्थानान्तरित होते हुए एक दिन सरकारी सेवा में एक–दूसरे स्थान पर जाता रहता है। जो अधिकारी व कर्मचारी काफी मेहनती और ईमानदार होते हैं, उनके स्थानान्तरण के फलस्वरूप बिदाई देते वक्त मन भावुक हो जाता है।जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी व अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) द्वारा जनपद में अपने पदीय दायित्वों का बेहतर तरीके से कार्य करने के प्रति आभार व्यक्त किये और कहा कि दोनों अधिकारी अनुभवी हैं, शासन के कार्यों को बड़े ही कहा कि यह जीवन है, चलता रहता है, हमें उम्मीद है कि आप लोग जहां भी रहेंगें, सूरज की तरह चमकते रहेंगें तथा देश व समाज के विकास में अपना सकारात्मक सहयोग देने के साथ ही अपने पदीय दायित्वों के प्रति खरा उतरेंगें। आप दोनों अधिकारियों को भविष्य के लिए मेरी ओर से बहुत–बहुत शुभकामाएं व आशीर्वाद बना रहेंगा। कहा कि ऐसे ही कर्मठ एवं लगनशील अधिकारी के रूप में मुख्य विकास अधिकारी जून, 2022 से व अपर जिलाधिकारी(न्यायिक) जुलाई, 2023 से अपनी बेहतरीन सेवा करते हुए स्थानान्तरित होकर अपने तैनाती पद पर जा रहे हैं।सोनभद्र के अधिकारी व कर्मचारी मुख्य विकास अधिकारी व अपर जिलाधिकारी(न्यायिक) से काफी कुछ चीजें सरकारी सेवाओं के बेहतर संचालन के लिए सीखा है। विदाई समारोह के मौके पर मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवार ने कहा कि जिले के विकास के लिए हर संभव सकारात्मक सहयोग के साथ ही सीखने का प्रयास करना चाहिए और सरकार की योजनाओं को जनपद के लोगों को लाभ मिले, इसका भी प्रयास करना चाहिए।

शव ठिकाने लगाने में पिता को दबोचा

कुशीनगर। जनपद के रामकोला थाना क्षेत्र में बेटी के शव को ठिकाने लगाने के फिराक में मोटर साइकिल सवार को पुलिस टीम ने नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र निवासी पिता को हिरासत में ले लिया। लोगों ने युवती का शव देखकर

➢ लोगो ने ऑनर किलिंग की जताई आशंका, पुलिस मान रही आत्महत्या।

पुलिस को सूचना दी। लोगों ने ऑनर किलिंग की आशंका जताई है। लोगों की सूचना के बाद रामकोला पुलिस ने पिता समेत शव को कब्जे में लेकर नेबुआ नौरंगिया थाने को सुपुर्द कर दिया जहां पुलिस आगे की कार्यवाही में जुटी हुई है।जानकारी के अनुसार मंगलवार की देर रात मोटर साइकिल सवार एक व्यक्ति पीठ पर लादकर शव लेकर रामकोला थाना क्षेत्र के चिलवन इलाके में पहुंचा। कप्तानगंज नेबुआ नौरंगिया मार्ग पर अपना मोटर साइकिल खड़ा कर पीठ पर बधे शव को खोलकर नदी में फेंकने की फिराक में लगा हुआ था कि शव से निकल रहे दुर्गंध से लोगों को शक हुआ और उन्होंने पुलिस को सूचना दे दी। रात्रि गस्त पर इलाके में मौजूद सिपाहियों ने मोटरसाइकिल और शव समेत व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ करने लगे। जिसमें पता चला कि नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के आलम मठिया मे सरस्वती विश्वकर्मा 16 वर्ष पिता सुरेश विश्वकर्मा ने खुदकुशी कर ली थी। जिसके बाद परिजनों ने उसके पिता को सूचना दी। पिता सुरेश विश्वकर्मा बाहर प्रदेश में कमा रहा था घर पहुंचा और शव को ठिकाने लगाकर सारा मामला खत्म करना चाहता था। इसी लिए घर से 15 किमी दूर बह रहे छोटी गण्डक नदी के किनारे अपने पीठ पर बेटी का शव बांधकर मोटरसाइकिल से पहुचा जहाँ पुलिस ने पकड़ लिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष रामकोला आनंद गुप्ता ने बताया कि कप्तानगंज नेबुआ नौरंगिया मार्ग पर कप्तानगंज के समीप स्थित गांव चिलवन में मंगलवार की रात एक व्यक्ति अपनी बेटी की आत्म हत्या के बाद शव लेकर ठिकाने लगाने आया था। जिसको पुलिस ने पकड़ कर चूंकि मामला नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र से जुड़े होने के कारण कार्यवाही के लिए पुलिस को शव सुपुर्द कर दिया गया हैं। नेबुआ नौरंगिया थानाध्यक्ष ने बताया कि बीते 8 तारीख को थाना क्षेत्र के आलम मठिया गांव की 16 वर्षीय सरस्वती विश्वकर्मा पुत्री सुरेश विश्वकर्मा ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी।

प्रभारी मंत्री ने बैठक कर आव□यक दि□ा निर्दे□ा दिये

प्रतापगढ़। राज्यमंत्री परिवहन विभाग उत्तर प्रदेश/जनपद प्रभारी मंत्री दयाशंकर सिंह जी ने विकास भवन सभागार में अधिकारियों के साथ परिचायात्मक बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में जिलाधिकारी संजीव रंजन ने प्रभारी मंत्री जी को जनपद के

➢ जनपद के जनप्रतिनिधियों ने अपनी समस्याओं के सम्बन्ध में प्रभारी मंत्री को अवगत कराया,

➢ केन्द्र एवं प्रदे□ा सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को अव□य दिया जाये–प्रभारी मंत्री

इतिहास के सम्बन्ध में अवगत कराया है। प्रभारी मंत्री जी ने जनपद के अधिकारियों से परिचय प्राप्त कर निर्देशित किया कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को अवश्य दिया जाये। अधिकारीगण जनप्रतिनिधियों से संवाद बढ़ाये जिससे समस्याओं का समाधान हो सके। यदि कोई भी व्यक्ति पात्र है तो उसको योजना का लाभ अवश्य दिया जाये, यदि कोई व्यक्ति गलत कर रहा है तो किसी भी दशा में उसे बख्शा न जाये, हम सभी लोग मिलकर एक टीम भावना के साथ कार्य को करें और आपस में सामंजस्य बनाकर चले। बैठक में विधायक विश्वनाथगंज ने शिकायत करते हुये हुआ कि लोक निर्माण विभाग द्वारा जो सड़के बनायी जाती है वह गुणवत्तायुक्त नही रहती है, सड़कों के क्षतिग्रस्त होने से दुर्घटनायें होती रहती है जिस पर प्रभारी मंत्री ने कहा कि लिखित में सूचना दी जाये, यदि जांच में दोषी पाये जायेगें तो कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी। विधायक ने बताया कि बिजली की समस्यायें रहती है, ट्रान्सफार्मर के जल जाने पर उसे समय से नही बदला जाता, यदि ट्रान्सफार्मर बार–बार जलते है तो उसकी क्षमतावृद्धि करायी जाये जिस पर प्रभारी मंत्री ने कहा कि सर्वे कराकर समस्या का समाधान कराया जाये। विधायक ने बताया कि नहरों में पानी की समस्या रहती है, कई जगह कट बन जाने और नहरों की साफ–सफाई न होने से पूरी तरीके से नहरों में पानी नही पहुॅच पाता है जिस पर प्रभारी मंत्री ने कहा कि जहां पर ऐसी समस्यायें है उसको दिखवा लिया जाये और आवश्यक कार्यवाही की जाये। उन्होने कहा कि ओडीओपी के तहत जनपद के आंवला प्रोडक्ट को बढ़ावा दिया जाये और किसानों को योजना के तहत सब्सिडी प्रदान की जाये। विधायक सदर ने जनपद के एक केन्द्रीय विद्यालय के प्रस्ताव हेतु अपनी बात रखी। बैठक में विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य, विधायक विश्वनाथगंज जीत लाल पटेल, शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी, जिलाधिकारी संजीव रंजन, पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा, पूर्व विधायक धीरज ओझा सहित जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षेप

मतदेय स्थलों की सूची का प्रकाशन

चित्रकूट। उप जिला निर्वाचन अधिकारी उमेश चन्द्र निगम ने जानकारी देते हुए बताया कि विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों 236 चित्रकूट एवं 237 मानिकपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में विद्यमान मतदेय स्थलों की सूचियों का आलेख्य प्रकाशन की जानकारी के लिए समस्त मतदान केन्द्रो, रिटर्निंग आफिसर, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय एवं जिला निर्वाचन कार्यालय में कर दिया गया है। आलेख्य मतदेय स्थलों की सूचियाँ जनपद के समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय व राज्यीय राजनैतिक दलों, सांसद, विधानसभा सदस्यों के संज्ञान के लिए उपलब्ध करायी जा रही है। मतदेय स्थलों की सूची जनपद की वेबसाइट पर भी उपलब्ध रहेगी। 11 सितम्बर को प्रकाशित आलेख्य मतदान स्थलों की सूचियों के संदर्भ में यदि कोई आपत्ति, सुझाव हो तो वह 17 सितम्बर तक सम्बन्धित निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय या जिला निर्वाचन कार्यालय में उपलब्ध करा सकते हैं।

वसूले डेढ़ लाख, बकाएदारों को हिदायत

चित्रकूट। राजस्व वसूली में तेजी लाने के लिए जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन के निर्देश पर सदर तहसील कर्वी में अधिकारियों की सक्रियता दिखाई पड़ रही है। एसडीएम पूजा साहू के निर्देशानुसार नायब तहसीलदार संग्रह हिमांशु द्विवेदी के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ने बड़े बकायादारों के यहां जाकर बकाया राजस्व जमा करने के लिए प्रेरित किया। बुधवार को राजस्व टीम ने विभिन्न वसूली के रूप में डेढ़ लाख रुपए की राजस्व वसूली की है। कई वकायादारों को बकाया देय राजस्व जमा करने की चेतावनी दी गई है। इस दौरान पंजाब नेशनल बैंक के अधिकारी और पुलिस टीम भी मौजूद रही।

मवेशी से टकराई बाइक, मौत

चित्रकूट। कोतवाली कर्वी अंतर्गत सिद्धपुर गांव निवासी राहुल ने बताया कि उसके पिता संतोष व चाचा रामनरेश देवकली इंटर कॉलेज में चपरासी पद कार्य करते थे। दोनों बाइक से शुक्रवार की देर शाम को कॉलेज की छुटटी होने के सिद्धपुर गांव आ रहे थे। जैसे ही जिला मुख्यालय के हाईवे पर सुखनंदपुर गांव के पास पहुंचे तो रास्ते में एक मवेशी से बाइक की टक्कर हो गई। बाइक असंतुलित होकर गिर गई। उसके पिता सिद्धपुर निवासी संतोष (50) व रामनरेश घायल हो गए। एंबुलेंस से जिला अस्पताल ले जाते समय संतोष की मौत हो गई। रामनरेश का इलाज जारी है। दुर्घटना की जानकारी के बाद पोस्टमार्टम व अस्पताल पहुंचे संतोष के परिजनों की घायल रामनरेश व उसके परिजनों से तीखी बहस भी हुई। संतोष के परिजनों ने कहा कि घटना होते ही रामनरेश ने उन्हें सूचना नहीं दी। रात को कई घंटे तक घायल अवस्था में संतोष सडक किनारे पड़े रहे। इस पर रामनरेश ने बताया कि वह खुद बेहोश हो गया था। मृतक के दो पुत्र राहुल व धीरज है। मृतक की पत्नी सोनिया व मां रानिया देवी का रो रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शनिवार को शव का पोस्टमार्टम कराया है।

दबी महिला की मौत, किशोरी घायल

राजापुर (चित्रकूट)। घर के रंगरोगन व मरम्मत के लिए मिट्टी लेने गई नानी और नातिन अचानक टीला धंसने से मलबे में दब गई। जिससे नानी की मौके पर मौत हो गई और नातिन को गंभीर दशा में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र राजापुर में भर्ती कराया गया हैं।बताया गया कि कस्बे के हनुमानगंज मोहल्ले की रामबाई सोनकर (58) पत्नी स्व जगदीश सोनकर शनिवार को करीब साढ़े नौ बजे अपनी नातिन खुशी (15) पुत्री राममिलन निवासी सरधुवा के साथ भैरमबाबा के पास से मिट्टी लेने गई थी। खुदाई करते समय अचानक मिट्टी का टीला धस गया। जिससे दोनो मिट्टी के नीचे दब गई। आसपास मौजूद कुछ लोगों ने देखा तो कड़ी मशक्कत के बाद दोनो को निकाला और आनन फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र राजापुर में भर्ती कराया। जहां प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ दिनेश सिंह ने रामबाई को मृत घोषित कर दिया। घायल खुशी का इलाज चल रहा हैं। मृतका की पुत्री पूनम ने बताया कि खुशी काफी समय से नानी के साथ ही रहती हैं। घटना से परिवार में शोक छा गया। प्रभारी निरीक्षक मनोज सिंह ने बताया कि घटना की सूचना पर शव का पंचनामा कर शव विच्छेदन कराया है।

मलबा हटाने में लगी रही टीम

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। ड्रमंडगंज घाटी के मीरजापुर रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग पर बारिश के दौरान मंगलवार दोपहर में हुए भूस्खलन के मलबा को हटाने में दूसरे दिन बुधवार को एनएचएआई व कार्यदाई संस्था डीबीएल कंस्ट्रक्शन कंपनी लगी रही। अत्यधिक मात्रा में गिरे मलबा को हटाने में टीम मंगलवार से ही जुटी हुई है।भारी बारिश के कारण मंगलवार को बड़े पैमाने पर ड्रमंडगंज घाटी में भूस्खलन होने से पहाड से पत्थरों और मिट्टी का मलबा राष्ट्रीय राजमार्ग पर गिर पड़ा था। राष्ट्रीय राजमार्ग पर कई जगह मलबा गिरने से टीम को मलबा हटाने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है।बरम बाबा मोड़ के पास भूस्खलन से विशाल चट्टान गिर पड़ी है चट्टान को हटाने के लिए मशीन मंगवाई गई है। बुधवार को डीबीएल कंस्ट्रक्शन कंपनी के योगेन्द्र शर्मा टीम के साथ मलबा को साफ कराने में लगे रहे। पत्थरों के बड़े टुकड़ों को पोकलेन मशीन की मदद से बाहर किया जा रहा है। पोकलेन मशीन व जेसीबी मशीन की मदद से राष्ट्रीय राजमार्ग पर बिखरे मलबे को हटवाया जा रहा है। मंगलवार दोपहर से ही एक लेन को बंद कर मलबा साफ किया जा रहा है। वाहनों के एक लेन से आने जाने दिया जा रहा है।डीबीएल कंस्ट्रक्शन कंपनी के इंजीनियर योगेन्द्र शर्मा ने बताया कि ड्रमंडगंज घाटी में हुए भूस्खलन से राष्ट्रीय राजमार्ग पर गिरे मलबा को मंगलवार से ही साफ किया जा रहा है। बुधवार रात तक मलबा को साफ कर लिया जाएगा। मलबा साफ होने के बाद दोनों लेन से आवागमन शुरू हो जाएगा।

योजना के प्रपोजल समय पर करें निस्तारित

चित्रकूट। डीएम शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उद्योग बंधु समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। जिसमें पिछली बैठक की कार्यवाहियों पर चर्चा के बाद मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के अंतर्गत कहा कि इसमें बैंकर्स की मीटिंग कर जो प्रपोजल आता है उसका समय से निस्तारण कराए।डीएम एक जनपद एक उत्पाद ऋण सहायता योजना के संबंध में कहा कि जिले में काष्ठ कला उत्पादध् लकड़ी के खिलौने का चयन हुआ है। ऑनलाइन वेबसाइट के माध्यम से आवेदन पत्र प्राप्त किए जा रहे हैं उसके सापेक्ष निस्तारण कराए। एमओयू क्रियान्वयन पर कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में जिले में 284 एमओयू हस्ताक्षरित हुए थे। उनमें एक पर्यटन विभाग का भी

एमओयू के क्रियान्वयन को प्राथमिकता से करने के दिए निर्देश

महत्वपूर्ण स्थान रहा है। उन्होंने कहा कि इको टूरिज्म को बढ़ाने के लिए जो एमओयू क्रियान्वयन पर हस्ताक्षर किए गए हैं उसका भी निस्तारण कराए। उन्होंने कहा कि जिन फर्म, उद्यमियों के द्वारा आवेदन दिए गए हैं उनको प्राथमिकता के आधार पर बैंकर्स के साथ बैठक कराकर निस्तारण किया जाए। किसी प्रकार की शिकायत नहीं आनी चाहिए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि जो बैठक में व्यापार मंडल व उद्यमियों के द्वारा समस्याएं बताई गई है उनका तत्काल निस्तारण कराया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर, उप जिलाधिकारी कर्वी पूजा साहू, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ सुभाष चन्द्र, उपायुक्त उद्योग केंद्र एसके केसरवानी, अग्रणी जिला प्रबंधक इंडियन बैंक अनुराग शर्मा, अधिशासी अभियंता विद्युत दीपक सिंह, परियोजना अधिकारी नेडा एके श्रीवास्तव, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी राजेंद्र कुमार, जिला उद्यान अधिकारी प्रतिभा पांडेय सहित संबंधित अधिकारी एवं व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष ओम केसरवानी, गुलाबचंद गुप्ता सहित अन्य व्यापारी मौजूद रहे।

मुख्यालय में धूमधाम से निकाली श्रीकृष्ण जल विहार यात्रा

चित्रकूट। भगवान श्री कृष्ण की विशाल शोभा यात्रा एवं जल विहार उत्सव के परम्परागत कार्यक्रम के तहत शनिवार को श्रीकृष्ण भक्त मण्डल के तत्वाधान में जिला मुख्यालय में विशाल शोभा यात्रा निकाली गयी। साथ ही श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव की 50वीं वर्ष गांठ के अवसर को ऐतिहासिक बनाने के लिए शाम को रामघाट में जल विहार कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

शोभा यात्रा की अगुवाई कर रहे प्रख्यात ज्योतिषाचार्य पं नारायण दत्त त्रिपाठी ने बताया कि वह 8 वर्ष की आयु से यह कार्यक्रम करा रहे हैं। समय के साथ धीरे–धीरे यह आयोजन विस्तार रूप लेता जा रहा है। इस मंगल उत्सव की आज 50वीं वर्ष गांठ है। जिसके तहत सबेरे प्रातः 8 से 10 बजे तक मण्डप पूजन और इसके बाद भगवान का महाभिषेक कार्यक्रम किया गया। दोपहर 12 बजे से श्रृंगार आरती एवं राज भोग के बाद जल विहार शोभा यात्रा निकाली गयी। उन्होंने बताया कि समाज में गाय और भगवान के प्रति श्रद्धाभाव रखने वालों में ही मानवता और मनुष्यता होती है। समाज के कल्याण की कामना को लेकर प्रत्येक वर्ष इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। जिसके तहत शोभा यात्रा के बाद रामघाट में जल विहार कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है। जिसमें एक नौका में भगवान को जल विहार कराया जाता है और शेष नौकाओं में श्रद्धालु मौजूद रहते हैं।उन्होंने बताया कि रविवार 15 सितम्बर को प्रातः 10 बजे से भगवान का उबटन कार्यक्रम एवं बाल भोग कराने के बाद उनके विग्रह के दिव्य तुलादान दर्शन और राजभोग आरती का आयोजन किया जाएगा। तुलादान की सामग्री श्रद्धालुओं के बीच वितरित कर दी जाती है। इसके बाद 16 सितम्बर को भगवान के 56 भोग का दर्शन, आरती एवं महाप्रसाद का आयोजन किया जाएगा।इस मौके पर भागवत पीठ के संस्थापक आचार्य नवलेश दीक्षित, भाजपा जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी, वरिष्ठ समाजसेवी कमलेश कुमार मिश्र, विनोद मिश्र, हीरो मिश्रा, मोहित मिश्रा, गुड्डन दुबे, कृष्ण औतार पाण्डेय, डेविड गुप्ता, शंकर प्रसाद गुप्ता, विष्णु कुमार गुप्ता, अनुज त्रिपाठी, अंकुर त्रिपाठी, सुशील गुप्ता, मोहन जैन, केपी आदि रहे।

ग्राम प्रधान व परिजनों पर फायर करने में तमंचा समेत आरोपी गिरफ्तार

हरपालपुर/हरदोई(आरएनएस) ।अरवल थाना क्षेत्र के शेखापुर नगरिया गांव में महिला प्रधान व परिजनो पर पुरानी रंजिश को लेकर फायर करने के आरोप में पुलिस ने एक आरोपी को तमंचा व कारतूस खोखा के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।अरवल थाना क्षेत्र के शेखापुर नगरिया गांव में बुधवार की रात प्रधान अर्चना राजपूत व अपने पति सुनील कुमार देवर रोहित के साथ अपनी छत पर खडे थे।पुरानी रंजिश में गॉव के ही बृजेश कुमार,नीरज कुमार, रवीश कुमार, अनेश व जगतेंद्र एक राय होकर प्रधान व उसके परिजनों की हत्या करने के उद्देश्य से आए और उसके परिवार के ऊपर जान से मार डालने की नीयत से तमंचे से फायर कर दिया। जिससे सभी बाल बाल बच गये।प्रधान पति सुनील कुमार की तहरीर पर चारों आरोपियों के विरुद्ध जानलेवा हमले के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया था।पुलिस ने एक आरोपी जगतेंद्र को उसके गॉव से 315 बोर के तमंचा व कारतूस खोखा के साथ गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है।

गायब मोटर को नही खोज पाई तुर्कपट्टी पुलिस

कुशीनगर, 11 सितम्बर । जनपद के तुर्कपट्टी थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सपही टड़वा में स्थित जलनिगम के पानी की टंकी से बीते 6 सितंबर को समरसिबल वाटर पंप चोरी हो गया। घटना के छह दिन बाद भी तुर्कपट्टी पुलिस खाली हाथ है। हालांकि सुराग लगाने के लिए पुलिस टंकी के आपरेटर सहित अन्य लोगों से पूछताछ कर चुकी है।

विदित हो कि उक्त टंकी का एक मोटर जल गया था। साथ ही किसी अन्य टंकी का जला मोटर भी उक्त मोटर के साथ बनने गया। दोनो मोटर बनकर आया तो सपही टड़वा पानी टंकी के आपरेटर को सुपुर्द कर दिया गया। बीते 6 सितंबर को उनमें से एक मोटर चोरी हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मामले की जांच की और पूछताछ करने के लिए आपरेटर व अन्य को थाने ले गई। जिन्हें बाद में छोड दिया गया। पुलिस ने घटना के संदर्भ में कोई लिखा पढ़ी नहीं की। बरवा राजापाकड़ पुलिस बूथ पर तैनात सिपाही मंगलवार की सायं एक बार पुनः घटनास्थल पर पहुंचे तो टंकी परिसर के बाहर बांस के झुरमुट के नीचे गांजा व कच्ची शराब के नशे का सेवन कर रहे कुछ संदिग्ध युवक भाग खड़े हुए। सूत्रों की माने तो सपही टड़वा में कच्ची शराब व गांजा की अवैध बिक्री होती है। जिस पर पुलिस नियंत्रण लगाने में विफल है। हालांकि बरवा राजापाकड़ पुलिस बूथ पर तैनात पुलिसकर्मी भी कार्यवाही करने से परहेज करते हैं। जिसका फायदा उठाकर आराजक तत्व न सिर्फ नशे का सेवन करते हैं। बल्कि चोरी आदि आपराधिक घटनाओं को भी अंजाम देते हैं। जो भी हो क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाओं जैसे बरवाराजापाकड़ में प्रमोद चौहान की खेत से पंपिंग सेट चोरी, शौकत गद्दी की भैंस चोरी, राजापाकड़ में रामराज के घर से दिनदहाड़े आभूषण चोरी सहित अनेक घटनाओं का खुलासा करने में तुर्कपट्टी पुलिस विफल तो है ही। आंकड़े में सही बने रहने के लिए घटनाओं का एफआईआर दर्ज करने से भी परहेज करती है। अब लोग तुर्कपट्टी पुलिस की कार्यप्रणाली पर उंगली उठाने लगे हैं।

अमर शहीद वीर सैनिक जैराम धोबी के स्मृति द्वार का लोकार्पण किया गया

हरदोई(आरएनएस) ।वर्ष 1971 में भारत– पाकिस्तान युद्ध के दौरान अपना जीवन बलिदान करने वाले ग्राम म्योरा ,बिलग्राम निवासी अमर शहीद वीर सैनिक जैराम धोबी की स्मृति में उनके पुत्र जगतराम द्वारा निर्मित स्मृति द्वार का अध्यक्ष जिला पंचायत प्रेमावती व क्षेत्रीय महामंत्री भाजपा अवध क्षेत्र अनु मोर्चा पीके वर्मा द्वारा लोकार्पण किया गया।इस अवसर पर अध्यक्ष प्रेमावती ने अमर शहीद को श्रद्धा सुमन समर्पित करते हुए कहा कि हमारे देश की स्वतंत्रता और सम्मान के लिए अपना जीवन न्योछावर करने वाले अमर शहीद वीर जैराम को समर्पित इस स्मृति द्वार का लोकार्पण करना मेरे लिए अत्यंत गर्व की बात है। महामंत्री पीके वर्मा ने वीर शहीद को नमन करते हुए कहा कि कर्तव्य्य पथ पर अपने प्राण न्यौछावर करने वाले अमर शहीद वीर जैराम की बहादुरी और बलिदान के अचल प्रतीक के रूप मे स्थापित यह स्मृति द्वार न केवल अमर शहीद की पुण्य स्मृति को सदैव जीवित रखेगा ।

प्रयागराज में बच्ची से रेप-हत्या के आरोपी को गोली मारी:

मासूम के हाथ तोड़े, बेहोश हुई तो रेप कियाय पुलिस एक चप्पल से कातिल तक पहुंची

प्रयागराज। प्रयागराज में 10 साल की बच्ची से रेप और उसकी बेरहमी से हत्या करने के आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। घटनास्थल पर मिली चप्पल से आरोपी की पहचान हुई। इसके बाद मंगलवार रात आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस ने दबिश दी। आरोपी भागने लगा तो पुलिस ने दौड़ाकर उसके पैर में गोली मार दी। मुकेश की जेब से बच्ची के कान की बाली बरामद की गई है। पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया है। एनकाउंटर स्पॉट से एक तमंचा बरामद किया। आरोपी का नाम मुकेश कुमार (29) है। 4 अक्टूबर को क्लास–2 में पढ़ने वाली मासूम की लाश खेत में मिली थी। उसके शरीर पर एक भी कपड़े नहीं थे। मामला गंगानगर क्षेत्र का है। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल पर एक जोड़ी चप्पल मिली। इन्हीं चप्पलों के सहारे जांच आगे बढ़ाई। मुखबिर और गांव वालों से पता चला कि यह चप्पल सोरांव के मुकेश कुमार की है। वह नशे का आदी है, घटना के बाद से मुकेश कुमार का बिहेवियर बदला है। पुलिस सक्रिय हुई तो 8 दिन बाद आरोपी मुकेश घर से फरार हो गया। मंगलवार रात पुलिस को सूचना मिली कि सोरांव के जूड़ापुर हाईवे के पास मुकेश है। पुलिस पहुंची तो खुद को घिरा देख मुकेश पुलिस पर फायरिंग करते हुए भागने लगा। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गोली चलाई, जो मुकेश के पैर में लग गई। डीसीपी गंगानगर कुलदीप गुनावत ने बताया– मुकेश ने बच्ची से रेप और हत्या की वारदात कबूल की है। मुकेश ने बताया– बच्ची पहले मेडिकल स्टोर गई। इसके बाद वहां से पैदल ही दुर्गा पंडाल की ओर जा रही थी। आरोपी ने कहा– मैं उसे खेत की तरफ ले गया। कपड़े उतारने लगा तो चिल्लाने लगी। इसलिए मैंने उसे बहुत मारा। वो बेहोश हो गई। इसके बाद रेप किया, मुझे लगा कि पकड़ा जाऊंगा। इसलिए मैंने उसकी हत्या कर दी। 10 साल की मासूम बच्ची से दरिंदगी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सामने आई। बच्ची के दोनों हाथ तोड़े गए। शरीर पर चोट के 7 निशान मिले थे। बच्ची के स्वाब की स्लाइड प्रिजर्व की गई है।

20 हजार लोगों की मुश्किलें दूर, छिवकी की सड़क तैयार:

प्रयागराज में दूसरे सबसे बड़े रेलवे स्टेशन जाने की राह हुई आसान, महाकुंभ में सबसे अहम रूट

प्रयागराज। प्रयागराज के दूसरे सबसे बड़े रेलवे स्टेशन छिवकी आने–जाने वाले यात्रियों को अब परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी। प्रयागराज विकास प्राधिकरण की ओर से नैनी के मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग से छिवकी रेलवे स्टेशन जाने वाली सड़क बन कर तैयार हो गई है। लगभग पांच सौ मीटर लंबे सड़क जो कि दो लेन की है और इसके दोनों ओर पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथ भी बनाया गया है। पूरे रास्ते रोशनी के लिए विद्युत कार्य भी पूरा हो चुका है। महाकुंभ 2025 को देखते हुए लाखों तीर्थ यात्रियों की सुविधा के लिए पीडीए की ओर से यह सड़क तैयार की गई है। नई सड़क दो लेन की है जो 18 मीटर चौड़ी है। सड़क के दोनों ओर नाली बनी है ताकि पानी सड़क पर नहीं बहे। आम दिनों में छिवकी रेलवे स्टेशन पर रोजाना पचास जोड़ी ट्रेनें रुकती हैं। ऐसे में हर रोज 15 से 20 हजार लोगों की आवाजाही होती है। अगर महाकुंभ की बात की जाए तो देशभर से आने वाले तीर्थ यात्रियों का आंकड़ा लाखों में होगा। छिवकी रेल रूट उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र सहित दक्षिण भारत के सबसे महत्वपूर्ण रेल रूट पर पड़ता है। इस सड़क के बन जाने से आगामी महाकुंभ में आने वाले लाखों तीर्थ यात्रियों के लिए एक सौगात है।

मेडिकल के नए छात्रों से गुलजार हुआ कॉलेज परिसर

प्रयागराज। एमबीबीएस के नव प्रवेशी छात्रों से मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज परिसर मंगलवार से गुलजार हो गया। नए मेडिकल छात्रों को धनवंतरि छात्रावास आवंटित किया गया है। इस छात्रावास में डबल सीट के 75 कमरें हैं। लगभग 102 छात्रों और 90 छात्राओं को कमरे मिल चुके हैं। प्रयागराज के रहने वाले जिन छात्रों ने प्रवेश लिया है, उन्हें घर से आने–जाने की सलाह दी गयी है। छात्रों की 15 दिनों तक फाउंडेशन कोर्स की कक्षाएं चलेंगी। छात्रावास के वार्डेन डॉ. बादल सिंह ने बताया कि छात्रों के रहने के लिए सभी बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई गयी हैं। छात्रों को मेस में 55 रुपये प्रति थाली उपलब्ध कराई जा रही है। थाली में अतिरिक्त भोजन लेने पर कोई चार्ज नहीं लगता है। कानपुर के छात्र महेन्द्र और बस्ती के अमन शर्मा ने कहा कि मेडिकल कॉलेज के पुरातन छात्र देश–विदेश में अपनी पहचान बना चुके हैं। इसलिए इस मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लिया।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-नीलामी कार्यक्रम, सूचना संख्या-08 माह नवम्बर-2024

संख्याः एस/सेल/611/ई-नी.का./24-25 दिनांकः 14.10.2024

ई-नीलामी सूचना

अवगत कराया जाता है कि उत्तर मध्य रेलवे के विभिन्न मण्डलों तथा डिपो में उपलब्ध स्क्रैप का विक्रय ई-नीलामी के माध्यम से सम्पन्न किया जायेगा तथा सभी आयोजक अपने निर्धारित क्षेत्र के स्क्रैप का निस्तारण करेंगें। रद्दी मदेंः पी.वे. व स्क्रैप रेल, कास्ट आइरन स्क्रैप, कन्डम रोलिंग स्टाक, नॉन फेरस एवं नान मेटालिक स्क्रैप, टर्निंग और बोरिंग, कन्डम आयल/पेंट्स ड्रम्स, कन्डम मशीनरी एवं प्लान्ट, कन्डम व्हेकिल्स, कन्डम ऑफिस इक्विपमेंट्स, फाउन्ड्री स्लैग, रिलीज ओवर हेड एम.एस./जी.आई. टैंक्स, ट्रेन लाइटिंग पंखों का रिलीज्ड फेरस स्क्रैप, रिलीज्ड एम.एस./जी.आई. पाइप लाइन, फाउन्ड्री स्कल वर्कशाप एम.एस. स्क्रैप और अन्य एम.एस. स्क्रैप मदें।

क्र.	ई-नीलामी की तिथि व दिन		डिपो/मण्डल	नीलामी के आयोजक
1.	07.11.2024	गुरुवार	सामान्य भण्डार डिपो/झाँसी	उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/प्रणाली/झाँसी
2.	14.11.2024	गुरुवार		
3.	20.11.2024	बुधवार		
4.	29.11.2024	शुक्रवार		
5.	13.11.2024	बुधवार	सामान्य भण्डार डिपो/कानपुर	उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/जनरल स्टोर डिपो/कानपुर।
6.	27.11.2024	बुधवार		
7.	05.11.2024	मंगलवार	प्रयागराज मण्डल	वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज
8.	19.11.2024	मंगलवार		
9.	26.11.2024	मंगलवार		
10.	06.11.2024	बुधवार	झाँसी मण्डल	वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे/झाँसी
11.	13.11.2024	बुधवार		
12.	27.11.2024	बुधवार		
13.	07.11.2024	गुरुवार	आगरा मण्डल	वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे/आगरा
14.	14.11.2024	गुरुवार		
15.	21.11.2024	गुरुवार		

विशेष शर्तेंः सभी प्रकार की रद्दी मदों की नीलामियाँ ई-नीलामी के माध्यम से 'www.ireps.gov.in' वेबसाइट द्वारा सम्पन्न की जायेंगी। यदि उसी दिन निर्धारित कैलेन्डर दिवस में नीलामी पूर्ण नहीं हो पाती है तो नीलामी अगले कैलेन्डर दिवस में भी जारी रहेगी। 2. ई-नीलामी द्वारा जो लाट बेंचे नहीं जा सके, उन्हें डिपो द्वारा अगले ई-नीलामी में सम्मिलित किया जाएगा। 3. इच्छुक खरीददार स्क्रैप किये गये सामग्रियों के लाटों का निरीक्षण नीलामी से पहले कार्य दिवसों में नामित स्थल पर कर सकते हैं। 4. यदि बिक्री की गई सामग्री की कीमत 5 लाख रुपयों से अधिक है तो ऐसी स्थिति में क्रेता को जीएसटी विभाग में पंजीकृत होना आवश्यक है। 5. नीलामी से सम्बन्धित और अधिक जानकारी के लिए (जैसे कैटलाग नीलामी की गई मदों की अंतिम बिक्री दर तथा अन्य सभी विवरण) कृपया हमारे वेबसाइट 'www.ncr.indianrailways.gov.in' पर देखें। 6. ई-नीलामी से सम्बन्धित और अधिक जानकारी 'www.ireps.gov.in' वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

1799/24 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

हमले की घटना में मारपीट का मुकदमा लिखने पर इंस्पेक्टर निलंबित, पुलिस कमिश्नर ने की कार्रवाई

प्रयागराज। कौंधियारा के जारी बाजार में व्यापारी पर जानलेवा हमले के मामले में मारपीट का मुकदमा लिखना कौंधियारा थाना प्रभारी को महंगा पड़ गया। उन्हें मंगलवार को निलंबित कर दिया गया। पांच नामजद आरोपी गिरफ्तार भी किए गए हैं। उधर, निजी अस्पताल में भर्ती घायल व्यापारी अनिल केशरवानी की हालत नाजुक बनी हुई है। इस मामले को लेकर सोमवार शाम जारी पुलिस चौकी के बाहर घंटों हंगामा हुआ था। स्थानीय व्यापारियों ने बाजार बंद कर दिया था और परिजनों संग मिलकर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की थी। रामलीला के साथ दशहरा

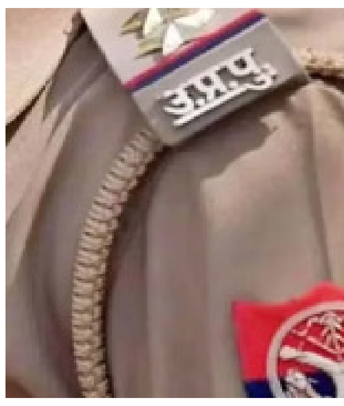

मेला भी स्थगित कर दिया गया था। मौके पर डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र ने पहुंचकर आक्रोशित लोगों को समझाया, तब जाकर वे शांत हुए थे। परिजनों ने स्थानीय पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए थे। कहा था कि पुलिस की शह पाकर ही आरोपियों ने घर पर चढ़कर हमले का दुस्साहस किया। सूत्रों का कहना है कि पुलिस अफसरों ने मामले का संज्ञान लेकर जानकारी की तो पता चला कि धारदार हथियारों से हमले की तहरीर देने व गंभीर चोट के बावजूद मारपीट, गालीगलौज व धमकी देने से संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया। यही नहीं अफसरों के आदेश के बावजूद धाराएं नहीं बढ़ाईं, जिससे माहौल बिगड़ा। इन तथ्यों के सामने आने के बाद मंगलवार दोपहर थाना प्रभारी गणेश तिवारी को निलंबित कर दिया गया। साथ ही उनके खिलाफ विभागीय जांच का भी आदेश दिया गया है। उधर, एसआरएन अस्पताल में भर्ती घायल व्यापारी अनिल की हालत मंगलवार को और बिगड़ गई। इसके बाद परिजन उन्हें लेकर निजी अस्पताल चले गए। डीसीपी यमुनानगर ने बताया कि इस मामले में विवेचना में सामने आए तथ्यों के आधार पर हत्या के प्रयास की धारा बढ़ाई गई है। साथ ही पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें हरिमोहन साहू व उसके बेटे फूलकुमार, किशन व वंश के अलावा माया देवी शामिल हैं। अन्य आरोपियों के संबंध में जांच पड़ताल जारी है। गौरतलब है कि मामले में सात नामजद व चार अज्ञात आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज की गई थी। विपक्षियों व व्यापारी पक्ष में एक जमीन को लेकर विवाद है। रविवार दोपहर व्यापारी पक्ष इस जमीन पर छत डलवा रहा था। आरोप है कि इसी दौरान विपक्षियों ने हमला किया। इसमें अनिल समेत अन्य लोग जख्मी हो गए।

माफिया अतीक के बेटे के नाम से इंस्टाग्राम पर बनाई गई प्रोफाइल, पोस्ट किए जा रहे अतीक-अशरफ के फोटो

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद का बेटा अली जेल की सलाखों के पीछे है। यहां तक कि पिता–चाचा की मौत के मामले में बयान देने की बात पर भी वह खामोशी ही ओढ़े रहा। हालांकि, उसके नाम से बनी इंस्टाग्राम प्रोफाइल सोशल मीडिया पर लगातार हुंकार भर रही है। इसमें अतीक–अशरफ एंड कंपनी के साथ ही मुख्तार–शहाबुद्दीन की तस्वीरें भी शेयर की जा रही हैं, जो चर्चा का विषय बनी हुई हैं। अली जुलाई 2022 से जेल में है। एक करोड़ की रंगदारी मांगने के मामले में उसने सरेंडर किया और तब से वह जेल में बंद है। अतीक–अशरफ हत्याकांड में न्यायिक आयोग की ओर से बुलाए जाने के बाद भी उसने बयान देने से इन्कार कर दिया। हालांकि, उसके नाम से बनी इंस्टाग्राम आईडी चर्चा का विषय बनी हुई है। अली बॉस 786 नाम से दिसंबर 2022 में बना यह अकाउंट अली के जेल जाने के बाद भी लगातार सक्रिय है। इस पर लगातार अतीक के साथ उसके बेटों उमर, अली, अहजम व अबान के साथ भाई अशरफ की तस्वीरें, वीडियो और रील पोस्ट की जा रही हैं। खास बात यह है कि इसमें मुख्तार अंसारी और शहाबुद्दीन की तस्वीरों से बनाई गईं रील भी डाली गई हैं। इस अकाउंट से अब तक 400 से ज्यादा रील पोस्ट की जा चुकी हैं और इस पर कुल 1.33 लाख फॉलोअर हैं। इनमें से कुछ रील में शायरी भी लिखी गई है। फिलहाल यह पता नहीं चल सका है कि इस अकाउंट को कौन संचालित कर रहा है। हालांकि, शहर में यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि आखिर कौन है जो अली के नाम से अकाउंट संचालित कर रहा है। एक खास बात यह भी है कि अली बॉस 786 नाम से कुल चार इंस्टाग्राम अकाउंट संचालित किए जा रहे हैं। हर अकाउंट में नाम के अक्षरों में कुछ हेरफेर है। हालांकि, सबसे ज्यादा फॉलोअर उपरोक्त अकाउंट के ही हैं। इस अकाउंट से एक यूट्यूब चौनल को भी लिंक किया गया है जो इसी साल जनवरी में बनाया गया है। इस पर अतीक एंड कंपनी के कुल 43 वीडियो पोस्ट किए जा चुके हैं।

जिस देश में बच्चियों की पूजा होती है, वहां मासूमों से दुष्कर्म की घटनाएं चिंताजनक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि जिस देश में बच्चियों की पूजा होती है, वहां मासूमों संग दुष्कर्म की घटनाओं का बढ़ना चिंताजनक है। यह केवल पीड़िता ही नहीं, समाज के विरुद्ध गंभीर अपराध है। ऐसा अपराध मूल अधिकारों का हनन है। यदि सही निर्णय नहीं लिया गया तो न्याय व्यवस्था से लोगों का विश्वास उठ जाएगा। यह टिप्पणी कर न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव ने मुरादाबाद के चार साल की बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी

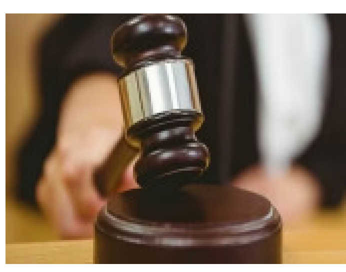

की जमानत खारिज कर दी। मुरादाबाद के कटघर थाने में अभियुक्त अहसान पर पॉक्सो व दुष्कर्म की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया था। आरोप था कि उसने 21 अप्रैल 24 को एक चार साल की बच्ची को जबरन उठा ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपी ने जमानत के लिए हाईकोर्ट से गुहार लगाई। आरोपी के वकील ने दलील दी कि उसे झूठा फंसाया गया है। याची 31 मई 2024 से जेल में बंद है। पीड़िता के बयान मेडिकल रिपोर्ट के विपरीत हैं। मेडिकल रिपोर्ट में अंदरूनी व बाहरी कोई चोट नहीं पाई गई, जबकि एफआईआर में शरीर पर चोटों का जिक्र किया गया है। वहीं, अपर शासकीय अधिवक्ता ने जमानत का विरोध किया और कहा –अपराध जघन्य है। आरोपी जमानत पर रिहा किए जाने लायक नहीं है।

सुरक्षा के लिए दो प्रेमी जोड़ों ने हाईकोर्ट में लगाया फर्जी प्रमाणपत्र, कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज

प्रयागराज। हाईकोर्ट में सुरक्षा की गुहार लगाने पहुंचे दो प्रेमी जोड़ों ने फर्जी विवाह प्रमाणपत्र पेश किया। कोर्ट के आदेश पर पुलिस की जांच में यह फर्जीवाड़ा सामने आया। इस पर दोनों जोड़ों के खिलाफ कैंट थाने में मुकदमे दर्ज किए गए हैं। चारों आरोपी युवक–युवतियां, फिरोजाबाद, इटावा, कुशीनगर व बंदायू के रहने वाले हैं। नेहा पुत्री राजकुमार निवासी ग्राम कोकिल पट्टी, दूधि दुधई, जनपद कुशीनगर व दयाशंकर पुत्र नन्हे निवासी ग्राम देवी नगला कचोरा कछौरा, पोस्ट रामजनपुर, जनपद बदायूं की ओर से हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर सुरक्षा की मांग की गई थी। उन्होंने वैदिक विवाह और धार्मिक संस्कार के पनासा, करछना स्थित केंद्र का विवाह प्रमाणपत्र लगाया था। वहां पहुंचकर पुलिस ने संस्था के मंत्री विनोद कुमार पांडेय से जानकारी ली तो उन्होंने प्रमाणपत्र फर्जी बताया। शपथपत्र भी दिया कि दो वर्ष से कोई विवाह उनकी संस्था ने नहीं कराया है और उनके रजिस्टर में भी इससे संबंधित कोई प्रविष्टि नहीं है। इसी तरह शिवानी पुत्री संजय निवासी राजपुर बलाई मक्खनपुर जनपद फिरोजाबाद व श्रीकांत पुत्र राजू निवासी ग्राम मोहनपुर लरखोर सैफई इटावा की याचिका में संलग्न विवाह प्रमाणपत्र भी जांच में फर्जी पाया गया। यह प्रमाणपत्र आर्य समाज कृष्ण नगर कीडगंज का था। जांच के दौरान उक्त संस्था के हरिदेव धूरिया निवासी जसरा थाना घूरपुर व संस्था में कार्यरत अन्य सदस्यों ने प्रमाणपत्र फर्जी होने की बात कही। जांचकर्ता उप निरीक्षकों की रिपोर्ट के आधार पर कैंट थाने ने चारों आरोपियों व उनके अज्ञात सहयोगियों के खिलाफ मुकदमे दर्ज कर लिए। कैंट पुलिस ने बताया कि जांच की जा रही है।

तलाकशुदा महिलाकर्मी की मृत्यु के बाद बेटे–बेटियां ही सेवा लाभों के हकदार, हाईकोर्ट ने दिया भुगतान का आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि तलाकशुदा महिलाकर्मी की मृत्यु के बाद उसके आश्रित बेटे–बेटियां ही पारिवारिक पेंशन व अन्य सेवा लाभों के हकदार हैं। तलाकशुदा पति को उसके सेवा लाभों का हकदार नहीं माना जा सकता। यह फैसला न्यायमूर्ति नीरज तिवारी की अदालत ने बस्ती के नियाज अहमद की ओर मृतक मां के मृत्यु– सह–सेवानिवृत्ति देयकों के भुगतान करने की मांग वाली याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है। कोर्ट ने जिला पंचायत राज अधिकारी बस्ती (डीपीआरओ) को चार हफ्ते में याची को उसकी मां के मृत्यु–सह–सेवानिवृत्ति लाभों का भुगतान करने का आदेश दिया है।मामला बस्ती का है। याची की मां नजीबुन्निशा जिला पंचायती राज अधिकारी, बस्ती के कार्यालय में सफाईकर्मी के पद पर तैनात थी। सेवाकाल में ही छह जून 2016 को शरीयत के मुताबिक नजीबुन्निशा का उसके पति मो.उमर से तलाक हो चुका था। वह अपने बच्चों याची नियाज अहमद, सुहेल अहमद, उलमेनसिबा, उलमेहबीबा, जमाल अहमद और हूर बानो संग रह रही थी। इसी बीच 26 सितंबर 2020 को उसकी मृत्यु हो गई। इसके बाद उसके बेटे नियाज ने डीपीआरओ के समक्ष मां के मृत्यु–सह–सेवानिवृत्ति देयकों के भुगतान का दावा किया। लेकिन, उसके दावे पर कोई कार्यवाही नहीं की गई। इसके खिलाफ उसने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। सुनवाई के दौरान जवाब तलब किए जाने पर डीपीआरओ ने हलफनामा दाखिल किया। 23 दिसंबर 2016 को जारी शासनादेश का हवाला देते हुए बताया कि महिलाकर्मी की मौत के बाद मृत्यु–सह– सेवानिवृत्ति लाभ केवल उसके जीवित पति को ही दिया जा सकता है। मौजूदा मामले में नजीबुन्निशा के पति जीवित हैं। इसलिए याची बेटे को भुगतान नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने पति मो. उमर को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया।

मो.उमर ने बताया कि उसका तलाक हो चुका है। मृतका के मृत्यु–सह–सेवानिवृत्ति देयकों का भुगतान याची को किए जाने में उसे कोई आपत्ति नहीं है। कोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए डीपीआरओ को चार हफ्ते में मृतक महिलाकर्मी के मृत्यु– सह– सेवानिवृत्ति देयकों का भुगतान याची को करने का आदेश दिया है।

महाकुंभ में रेल यात्रियों को मिलेगी अब तक की सबसे बेहतर सुविधा, जीएम ने किया निरीक्षण

प्रयागराज। पूर्वोत्तर रेलवे की महाप्रबंधक सौम्या माथुर बुधवार को प्रयागराज पहुंचीं। उन्होंने प्रयागराज रामबाग रेलवे स्टेशन का जायजा लिया। महाकुंभ के मद्देनजर यहां पर चल रही तैयारियों को परखा।

जीएम ने महाकुंभ को लेकर रेलवे की ओर से की जा रही तैयारियों की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में जो यात्री आएंगे उन्हें रेलवे अब तक की सबसे बेहतर सुविधा देने का प्रयास कर रहा है। नवंबर के अंतिम या दिसंबर के शुरुआत तक सारे कार्य पूरे हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि गंगा के ऊपर बन रहा रेलवे का नया पुल दिसंबर तक शुरू कर दिया जाएगा। इसके लिए सीआरएस इंस्पेक्शन होना है। कहा कि रेलवे स्टेशन पर काफी यात्री सुविधाएं बढ़ाई गई हैं।

प्रयागराज में टूटे बेड पर मरीजों को कर रहे भर्ती

SRN अस्पताल में दरवाजा हटाकर टांगी बेडशीट, महिला मरीजों ने जताई नाराजगी

प्रयागराज। स्वरूप रानी नेहरू हॉस्पिटल में प्रयागराज समेत दूर दराज के मरीज इलाज के लिए आते हैं। यहां अव्यवस्थाओं से मरीजों को हर दिन जूझना पड़ता है। यहां कुछ दिन पहले ही पुरानी बिल्डिंग के महिला वार्ड का दरवाजा टूट गया। कर्मचारियों ने दरवाजे को निकाल एक किनारे रख दिया। उसके स्थान पर एक बेडशीट को टांग दिया। इस वार्ड में महिलाओं को भर्ती किया गया है। महिलाओं ने नाराजगी जताई है। अब सवाल यह उठता है कि अस्पताल के मेंटीनेंस के नाम पर अच्छा खासा बजट आता है, इसके बावजूद इस अस्पताल में यह स्थिति है। इसी तरह अस्पताल के अधिकांश वार्ड में मरीजों का बेड टूटा है, उसी पर मरीजों को भर्ती किया गया है। 21 अगस्त को दैनिक भास्कर ने अस्पताल के इमरजेंसी सर्जिकल वार्ड में मरीजों पर टपक रहे पानी की खबर को प्रमुखता से लिखा था। इस खबर को शासन ने संज्ञान भी लिया था और इसमें अस्पताल प्रशासन से जवाब मांगा गया था।

प्रयागराज एयरपोर्ट से शुरू होगी कार्गो विमान सेवा

प्रयागराज। कोई भी सामान अब देश के अलग–अलग शहरों से चंद घंटों में प्रयागराज पहुंचेगा और यहां से भेजा जा सकेगा। प्रयागराज एयरपोर्ट से कार्गो विमान सेवा शुरू करने की तैयारी हो रही है। एयरपोर्ट प्रशासन ने गोदाम बनाने के लिए सेना से 11.2 एकड़ जमीन सेना से मांगी गई है। कार्गो गोदाम बनाने के लिए मुख्य राजस्व अधिकारी कुंवर पंकज ने जिलाधिकारी की ओर से रक्षा संपदा अधिकारी को पत्र भेजा है। जमीन के लिए प्रशासन की ओर से ऑनलाइन भी आवेदन किया गया है। गोदाम के लिए एयरपोर्ट के पास चंद्रभानपुर कटहुआ गौसपुर में जमीन मांगी गई है। सेना के दोनों भूखंड एयरपोर्ट से सटा है। जमीन मिलने के बाद एयरपोर्ट प्रशासन गोदाम का निर्माण करेगा। प्रयागराज एयरपोर्ट के निदेशक फरुंख अहसन ने बताया कि यहा से कार्गो सेवा शुरू होने पर चंद घंटों में कोई भी सामन देश के किसी भी हिस्से से यहां पहुंचेगा और भेजा जा सकेगा। प्रयागराज एयरपोर्ट से कार्गो सेवा शुरू करने की योजना सात साल पहले बनी थी। तब नई दिल्ली और वाराणसी से आई विशेषज्ञों की टीमों ने कार्गो सेवा शुरू करने के लिए सर्वे किया था। तब प्रयागराज एयरपोर्ट के निदेशक आरएस मिश्रा का कहना था कि एयरपोर्ट से कार्गो सेवा शुरू करने में बेहतर मार्ग नहीं होना सबसे बड़ी बाधा थी। अब एयरपोर्ट–शहर–कौशाम्बी के बीच सिक्स लेन मार्ग बन रहा है। इससे कार्गो वाहनों का आवागमन आसान होगा।

संत कबीर के भजनों व वाणी पर झूमे श्रद्धालु

प्रयागराज। कबीर पारख संस्थान, प्रीतमनगर की ओर से आयोजित वार्षिक सत्संग समारोह के दौरान संत कबीर के भजनों और कबीर वाणी की मनमोहक प्रस्तुति से पंडाल में उपस्थित हजारों श्रद्धालु सराबोर होते रहे। प्रवचन करने देश के विभिन्न प्रांतों पहुंचे संतों ने कबीर खड़ा बाजार में सबकी मांगे खैर, ना काहू से दोस्ती ना काहू से बैर, कबीर वाणी एक बूंद से सृष्टि रची है को ब्राह्मण को सुद्रा, भाई रे दुई जगदीश कहां से आया, देश–विदेशे हों फिरा गांव–गांव की खोरि व यह तो निर्मल भया, जैसे गंगा नीर की प्रस्तुति की।

ससुरालियों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा

प्रयागराज। महिला थाना में उमरी पूरामुफ्ती निवासी साहेबा ने दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का कहना है कि 15 मार्च 2022 को प्रतापगढ़ जिले के शिवरा मानधाता निवासी अब्दुल्लाह खान से निकाह हुआ था। शादी के बाद से ही ससुरालवाले दस लाख रुपये की मांग को लेकर प्रताड़ित कर रहे हैं। उसे इस साल पांच अगस्त को ससुराल से भगा दिया गया। उधर, पूरामुफ्ती थाने में बेगम बाजार बमरौली निवासी मोहिनी शुक्ला ने पति, सास, जेठ, जेठानी व भतीजी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि छह मार्च को शादी के बाद से ही दहेज के खातिर उत्पीड़न किया जा रहा है।

मंसूर पार्क में कटिया मार चला रहे थे बिजली, मुकदमा

प्रयागराज। न्यू खुशरूबाग उपखंड की बिजली विभाग की टीम ने मंसूर पार्क में कटिया मारकर बिजली चोरी करने के मामले में बुधवार को एफआईआर दर्ज की है। अवर अभियंता प्रदीप कुमार अपनी टीम के साथ 15 अक्तूबर को बिजली चेकिंग में निकले थे। इस दौरान बक्शी बाजार, मंसूर पार्क में काजी शरबत हुसैन के घर पर कटिया मारकर बिजली चोरी का मामला पकड़ में आया। बिजली विभाग के कर्मचारियों ने इसका वीडियो बनाया। पता चला कि एनटी लाइन से कटिया मारकर बिना मोटर के एक किलो विद्युत का अवैध रूप से उपयोग किया जा रहा था।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062